वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 119 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली गुरूवार 2 जुलाई 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

अब आप भी चला सकते हैं अपनी रेलगाड़ी

भारतीय रेलवे का बड़ा फैसला, 109 रूटों पर चलेंगी प्राईवेट ट्रेंने

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे अब धीरेधीरे निजीकरण की पटरी पर चलने लगी है। सरकार ने इसकी शुरुआत भी कर दी है।

अब देश के प्रमुख 109 रेल मागों पर प्राईवेट ट्रेन चलाने की तैयारी कर ली है। इसके लिए बाकायदा रेल मंत्रालय ने निविदा प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। 109 रेलवे मार्गों को 12 क्लस्टरों में बांटा जाएगा, जिसमें 151 आधुनिक निजी ट्रेनें चलेंगी।

हर ट्रेन में 16 मार्डन कोच होंगे, जो मेक इन इंडिया के फार्मूलें पर भारत में बनाएं जाएंगे। इस निजीकरण के प्रोजेक्ट की अवधि 35 साल की होगी। इसमें ड्राइवर और गार्ड इंडियन रेलवे का होगा, बाकी सभी चीजें प्राइवेट कंपनियों की होंगी। इससे भारतीय रेलवे को 30 हजार करोड़ रुपये निवेश की उम्मीद है। यह भारतीय रेलवे नेटवर्क पर पैसेंजर ट्रेनों को चलाने के लिए निजी निवेश की पहली पहल है।

जानकारी के मुताबिक इस परियोजना में ट्रेनों की खरीद, उसके लिए पैसा जुटाने, ट्रेनों के परिचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी निजी कंपनी की होगी, जबकि ड्राइवर और गार्ड रेलवे के होंगे। कंपनी अपने राजस्व में रेलवे को हिस्सेदारी देगी। साथ ही पटरी के इस्तेमाल के लिए भाड़ा ओर उपभोग के आधार पर बिजली का शुल्क भी वह भारतीय रेलवे को देगी।

खास बात यह है कि प्राइवेट कंपनियों को आपरेशन एवं मेंटीनेंस भारतीय रेलवे के मानकों के अनुसार ही करना होगा। साथ ही ट्रेन का किराया भी ट्रेन चलाने वाली प्राइवेट कंपनी अपने और बाजार के हिसाब से तय करेगी।

रेलवे के इस कदम से अब तय हो गया है कि पहली बार बड़े लेवल पर सरकार ने प्राइवेट लोगों को ट्रेन देने की तैयारी कर ली है। हालांकि, सरकार हर मोर्चों पर अब तक दावा करती रही कि वह रेलवे का निजीकरण नहीं करने जा रही है।

भारत में निर्मित होने वाली गाडियों की अधिकांश संख्या (मेक इन इंडिया) के तर्ज पर होगी। साथ ही ट्रेनों को अधिकतम 160 किमी प्रति घंटे की गति के लिए डिजाइन किया जाएगा। इससे यात्रा के समय में पर्याप्त कमी होगी। किसी रेलगाड़ी द्वारा चलाए जा रहे समय की तुलना में चलने वाली भारतीय रेल की सबसे तेज ट्रेन से या उससे अधिक होगी।

निजी कंपनियों के द्वारा गाडियों का संचालन प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों जैसे समय की पाबंदी, विश्वसनीयता, गाडियों के रखरखाव आदि के अनुरूप होगा। साथ ही यात्री ट्रेनों का संचालन और रखरखाव भारतीय रेलवे द्वारा निर्दिष्ट मानकों और विनिर्देशों और आवश्यकताओं द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

निजी कंपनियां भारतीय रेलवे को निर्धारित ढुलाई शुल्क, वास्तविक खपत के अनुसार ऊर्जा शुल्क और पारदर्शी राजस्व प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित सकल राजस्व में हिस्सेदारी का भुगतान करेगा। बता दें कि वर्तमान में प्राईवेट ट्रेन के नाम पर 2 तेजस ट्रेन प्रयोग के तौर पर चलाया जा रहा है। पहली तेजस लखनऊ से दिल्ली एवं दूसरी अमहदाबाद से मुबंई के बीच चलाई गई है।

रेलवे का निजीकरण नहीं होने देंगे: मिश्रा

ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि वह किसी भी सूरत में भारतीय रेलवे का निजीकरण नहीं होंने देंगे। निजीकरण ही रेलवे का इलाज नहीं है। कर्मचारी रेलवे और देश की तरक्की के लिए बेहतर काम कर रहे हैं और आगे भी कर सकते हैं, लिहाजा प्राइवेट कंपनियों को ट्रेन देने की बजाय रेलवे को ही चलाना चाहिए। शिव गोपाल मिश्रा ने तर्क किया कि कोविड महामारी के बीच प्राइवेट आपरेटरों ने हाथ खड़े कर दिए, सिर्फ रेलवे कर्मचारियों ने ही दिन रात डटकर अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रेनों का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मालगाडियों के लिए अलग से बनाए जा रहे डीएफसी के चालू होने के बाद जो कैवेयिटी बचेगी उसमें प्राइवेट ट्रेन चलाने की बजाय रेलवे को ही ट्रेन चलानी चाहिए। लिहाजा, हम निजीकरण का खुलकर विरोध करेंगे। सरकार को हमे विश्वास में लेना चाहिए। सरकारी कर्मचारी देश की तस्वीर बदलने के लिए कारगर साबित होंगे।

प्रियंका को सरकारी आवास खाली करने का आदेश

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को 1 अगस्त तक लोधी एस्टेट स्थित बंगला खाली करने का नोटिस दिया गया है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा भेजे गए नोटिस के मुताबिक 1 अगस्त के बाद प्रियंका गाधी इस बंगले में नहीं रह सकतीं। नोटिस में कहा गया है कि प्रियंका गांधी की एसपीजी सुरक्षा व्यवस्था हटा ली गई है और जेड प्लस सुरक्षा व्यवस्था दी गई है. इस व्यवस्था के मुताबिक जिसे ये सुरक्षा दी जाती है उसे सरकारी बंगला प्रदान करने का नियम नहीं है। ऐसे में प्रियंका गांधी को बंगला खाली करना पड़ सकता है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता सुष्मिता देव ने कहा है कि अब क्यों नियम का पालन किया जा रहा है? प्रियंका गांधी की एसपीजी सुरक्षा व्यवस्था तो 6 महीने पहले ही हटा ली गई थी। जब एसपीजी व्यवस्था हटाई गई थी तब भी प्रियंका से बंगला खाली करने की बात कही गई थी. तब उन्होंने एक्सटेंशन मांगा था जो अगस्त महीने तक चलने वाला है. लेकिन हमारी असली चिंता प्रियंका की सुरक्षा को लेकर है. सरकार को उनकी सुरक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

गौरतलब है कि 30 जून तक प्रियंका गांधी पर 3,46,677 रुपये बकाया हैं. प्रियंका से बकाया राशि का भुगतान करने को कहा गया है. प्रियंका गांधी वाड्रा फरवरी 1997 से 35 लोधी एस्टेट में रह रही हैं।

गौरतलब है कि नवंबर 2019 में केंद्र सरकार ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की एसपीजी सुरक्षा हटाने का फैसला किया था. गांधी परिवार को अभी भी जेड प्लस सुरक्षा दी जा रही है. केंद्र सरकार ने सभी एजेंसियों की ओर से मिले थ्रेट इनपुट का आकलन करने के बाद यह फैसला लिया था. केंद्र सरकार ने खतरे का आकलन करने के बाद पाया था कि गांधी परिवार को किसी तरह का सीधा खतरा नहीं है। राजीव गांधी की 1991 में हत्या के बाद फैसला किया गया था कि पूर्व प्रधानमंत्रियों को भी एसपीजी सुरक्षा दी जाएगी। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्रियों के सुरक्षा इंतजामों की समयसमय पर समीक्षा की जाती है और जरूरत के मुताबिक उसे घटाया जाता है. अगस्त 2019 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की एसपीजी सुरक्षा भी हटा ली गई थी. एसपीजी सुरक्षा हटाने से पहले प्रियंका गांधी को नोटिस भेजकर उनके बंगले को लेकर भी सवाल पूछा गया था। इस पर उन्होंने कहा था कि उन्हें बंगला छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं है।

भारत में चीनी ऐप बैन us बोला- बिल्कुल सही

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली/वॉशिंगटन । भारत के साथ पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति पैदा कर चीन ने उससे पहले से ही नाखुश चल रही दुनिया को उस पर निशाना साधने का मौका दे दिया है।

चीन के धुर विरोधी अमेरिका ने टकराव की स्थिति में चीन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भारत के 59 चीनी ऐप्स पर बैन लगाने के कदम का स्वागत करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पॉम्पिओ ने चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी को निर्दयी बता डाला।

पॉम्पिओ ने बुधवार को कहा है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की निर्दयता का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। उन्होंने कहा, हम कुछ मोबाइल ऐप्स पर बैन लगाने के भारत के कदम का स्वागत करते हैं। पॉम्पिओ ने इन ऐप्स को **CCP** के सर्विलांस का अंग बताया और कहा कि भारत के ऐप्स के सफाए के कदम से भारत की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा जैसा भारत की सरकार ने खुद भी कहा है। इससे पहले अमेरिकी मूल के अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों और तकनीकों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। पॉम्पियो ने ट्वीट कर कहा, आज अमेरिका हॉन्गकॉन्ग को रक्षा उपकरण और दोहरे इस्तेमाल में आने वाली संवेदनशील तकनीकों के निर्यात पर बैन लगाने जा रहा है। यदि पेइचिंग हॉन्ग कॉन्ग को एक देश, एक प्रणाली समझता है तो हमें भी निश्चित रूप से समझना होगा।

वहीं, अमेरिका के सांसदों ने अमेरिकी सरकार से भी टिकटॉक बैन पर विचार करने की अपील की है। देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर जॉन कॉर्निन ने द वॉशिंगटन पोस्ट में छपी एक खबर को टैग करते हुए अपने ट्वीट में कहा, खूनी झड़प के बाद भारत ने टिकटॉक और दर्जनों चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया। वहीं रिपब्लिकन पार्टी के ही सांसद रिक क्रोफोर्ड ने कहा, टिकटॉक को जाना ही चाहिए और इसे तो पहले ही प्रतिबंधित कर देना चाहिए था।

गर्भवती महिलाओं को भर्ती करने के लिए पहले से कोरोना जांच जरूरी नहीं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । आप सरकार ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि गर्भवती महिलाओं को सर्जरी और प्रसव आदि के लिए अस्पताल में भर्ती करने से पहले कोरोना वायरस की जांच अनिवार्य नहीं है। इसके अलावा आपात स्थितियों में जांच परिणाम को लेकर इलाज से इनकार नहीं किया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने अदालत से कहा कि इलाज के साथ ही जांच की जा सकती है और यदि जांच में कोरोना वायरस से संक्रमण की पुष्टि होती है तो गर्भवती महिला को आगे के इलाज के लिए विशेष कोविड 19 अस्पताल में स्थानांतरित किया जाएगा।

सरकार ने मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ के समक्ष यह भी कहा कि उसने अस्पतालों में 'रैपिड एंटीजन' परीक्षण के उपयोग को बढ़ावा दिया है ताकि जांच के परिणाम जल्दी उपलब्ध हो सकें। उसने अपने हलफनामे में यह भी कहा कि वह गर्भवती महिलाओं सहित अन्य रोगियों को होने वाली कठिनाइयों का ध्यान रखेगी। आप सरकार ने यह दलील एक वकील द्वारा दायर जनहित याचिका के जवाब में दी है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि गर्भवती महिलाओं की जांच के परिणामों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उच्च न्यायालय ने 22 जून को कहा था गर्भवती महिलाओं को अस्पतालों में भर्ती करने से पहले कोरोना वायरस जांच परिणाम प्राप्त करने के लिए 57 दिनों का समय नहीं लिया जा सकता है।

अदालत ने आईसीएमआर और दिल्ली सरकार को इस संबंध में तेजी लाने को कहा था। भारतीय मेडिकल अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने केंद्र सरकार के स्थायी वकील विवेक गोयल के माध्यम से दायर अपने जवाब में कहा कि उसने कोविड19 महामारी के दौरान गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं और गर्भवती महिलाओं की जांच पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मामले में अगली सुनवाई आठ जुलाई को होगी।

भारत में कोविड से एक दिन में रिकॉर्ड 507 की मौत, 18,563 नए मामले सामने आए

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । भारत में बुधवार को कोविड19 से एक दिन में रिकॉर्ड 507 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 17,400 हो गई। वहीं, संक्रमण के 18,653 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 5,85,493 पर पहुंच गई। भारत में लगातार पांचवे दिन कोविड19 के 18000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। एक जून से अभी तक 3,94, 958 मामले सामने आ चुके हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में अब 2,20,114 लोगों का इलाज चल रहा है और 3,47,978 लोग ठीक हो चुके हैं। अधिकारी ने कहा, ''मरीजों के ठीक होने की दर 59.43 प्रतिशत है।'' कुल पुष्ट मामलों में विदेशी नागरिक भी शामिल है। आकंड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिन 507 लोगों की जान गई है, उनमें से सबसे अधिक 245 मामले महाराष्ट्र के हैं। इसके बाद दिल्ली में 62, तमिलनाडु में 60, उत्तर प्रदेश में 25, कर्नाटक में 20, गुजरात के 19, पश्चिम बंगाल में 15, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान में आठआठ लोगों की मौत

हुई है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना में सातसात, जम्मू कश्मीर तथा पंजाब में छहछह, बिहार में पांच, हरियाणा में चार, केरल, ओडिशा, पुडुचेरी तथा उत्तराखंड में दोदो और असम तथा हिमाचल प्रदेश में एकएक व्यक्ति की संक्रमण से मौत हुई है। महाराष्ट्र और दिल्ली के पिछले दिनों के आंकड़ों का मिलान करने के बाद जारी किए गए नए आंकड़ों की वजह से 17 जून को कोविड19 से मरने वालों की संख्या 2,003 बताई गई थी। इन आंकड़ों में उन लोगों को शामिल किया गया था, जिनकी मौत का कारण पहले कोविड 19 नहीं बताया गया था।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार 30 जून तक 88,26, 585 लोगों की कोविड19 की जांच की गई, जिनमें से 2,17,931 लोगों की जांच मंगलवार को की गई थी। कोविड19 से अभी तक 17,400 मरीजों की मौत के मामलों में महाराष्ट्र में सबसे अधिक 7,855 लोगों ने जान गंवाई है। इसके बाद दिल्ली में 2,742, गुजरात में 1,846, तमिलनाडु में 1,201, उत्तर प्रदेश में 697, पश्चिम बंगाल में 668, मध्य प्रदेश में 572, राजस्थान में 413 और तेलंगाना में 260 लोगों की मौत हुई। कर्नाटक में कोविड19 से 246, हरियाणा में 236, आंध्र प्रदेश में 187, पंजाब में 144, जम्मू कश्मीर में 101, बिहार में 67, उत्तराखंड में 41, ओडिशा में 25 और केरल में 24 लोगों ने जान गंवाई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार महामारी से झारखंड में 15, छत्तीसगढ़ में 13, असम और पुडुचेरी में 1212, हिमाचल प्रदेश में 10, चंडीगढ़ में छह, गोवा में तीन और मेघालय, त्रिपुरा, लद्दाख तथा अरुणाचल प्रदेश में एकएक व्यक्ति की मौत हुई। उसने बताया कि जान गंवाने वाले 70 प्रतिशत लोगों को पहले से ही कोई बीमारी थी।

भारत में 1056 कोरोना टेस्ट लैब, एक दिन में 2.17 लाख नमूनों की जांच

नई दिल्ली । देशभर में कोरोनावायरस संक्रमण की जांच करने वाली लैब की संख्या बढ़कर 1056 हो गई है। वहीं, पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 2 लाख 17 हजार 931 नमूनों की जांच की गई। केंद्रीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान देश में कोविड 19 की जांच करने वाली लैब की संख्या बढ़कर 1056 हो गई है। इन सभी लैब में पिछले 24 घंटे में 2 लाख 17 हजार 931 नमूनों की जांच की, जिससे अब तक जांच किए गए कुल नमूनों की संख्या बढ़कर 88 लाख 26 हजार 585 हो गई है। आईसीएमआर द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण की जांच करने वाली सूची में 7 लैब और जुड़ गए हैं। सरकारी लैब की संख्या 764 तथा निजी लैब की 292 है। इस समय वास्तविक समय आरटी पीसीआर आधारित परीक्षण लैब 576 है, जबकि ट्रूनेट आधारित परीक्षण लैब की संख्या 394 और सीबीएनएएटी आधारित परीक्षण लैब 86 हैं।

महिला के सामने हस्तमैथुन करने वाला थानेदार अरेस्ट, DIG ने किया बर्खास्त

(विशेष संवाददाता)

देवरिया । महिला फरियादी के साथ अश्लील हरकत करने वाले एसओ भीष्मपाल सिंह को पुलिस ने बस्ती से गिरफ्तार कर लिया है। एसपी श्रीपति मिश्र ने आरोपी थानेदार की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। आरोपी थानेदार के खिलाफ भटनी थाने में गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

थाने में हस्तमैथुन का वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी थानेदार भीष्मपाल सिंह फरार हो गया था। एसपी ने थानेदार के बारे में किसी भी तरह की जानकारी देने पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया था। देवरिया के एसपी की रिपोर्ट पर डीआईजी रेंज राजेश मोदक ने आरोपी दरोगा को बर्खास्त कर दिया। एसओ भीष्मपाल सिंह यादव वीडियो वायरल होने के बाद जिला छोड़कर फरार हो गया था।

हालांकि पुलिस ने मुस्तैदी दिखाई और 24 घंटे के अंदर एसओ को बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। देवरिया के भटनी थाना क्षेत्र में एक महिला फरियादी जमीनी विवाद को लेकर एसओ के पास शिकायत करने गई थी।

महिला की शिकायत सुनने के

दौरान एसओ भीष्मपाल सिंह अश्लील हरकत करने लगा। लड़की ने एसओ का अश्लील हरकत करते हुए वीडियो बना लिया।

थाने से निकलकर महिला ने एक वीडियो जारी कर अपनी आपबीती बताई और थानेदार का वीडियो भी वायरल हो गया। पुलिसप्रशासन ने ऐक्शन लेते हुए एसओ को सस्पेंड कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद एसओ भीष्मपाल सिंह फरार हो गया। पुलिस ने उसके बारे में सूचना देने पर 25 हजार का इनाम घोषित किया। फरार एसओ की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने आसपास के जिलों को भी अलर्ट कर दिया था। जिसके बाद बुधवार देर शाम को बस्ती जिले से एसओ को गिरफ्तार कर लिया गया। डीआईजी रेंज राजेश मोदक ने सपी श्रीपति मिश्र की रिपोर्ट के बाद भीष्मपाल सिंह को बर्खास्त कर दिया।

एक नजर

दिल्ली एयरपोर्ट पर कार्गो सेवा के लिए शुरू हुई कोडेड ई-गेटपास फैसिलिटी

नई दिल्ली। दिल्ली अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने दिल्ली एयरपोर्ट पर दिल्ली कार्गो ब्रोकर्स एसोसिएशन के साथ मिलकर क्यूआर कोडेड ई गेटपास फैसिलिटी की शुरुआत की है। ताकि कोरोना काल में सोशल डिस्टेंसिंग के साथसाथ व्यक्तियों का एक दूसरे से संपर्क कम से कम हो सके। बता दें कि क्यूआर कोड की पहल सीबीआइसी की तरफ से की गई थी। जिसमें क्यूआर कोड सिस्टम, कार्गो के एक्सपोर्ट के दौरान फॉर्म भरने से लेकर शिपमेंट के बिल तक पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक बेस्ड है। सीबीआइसी के अनुसार तुरंत कस्टम प्रोग्राम के तहत एंड टू एंड पेपरलेस एक्सपोर्टिंग करने के लिए इसे फेसलेस, पेपरलेस और कॉन्टैक्टलेस बनाया है। इस सुविधा का इस्तेमाल कर सभी एक्सपोर्टर्स कम समय और कम लागत में अपना सामान एक्सपोर्ट कर पाएंगे। वहीं सीबीआइसी के अनुसार क्यूआर कोड की यह पहल विभिन्न चरणों में 2021 तक भारत में पूरी तरह से लागू हो जाएगी।

देवांगन कलीता को अपने वकील से बात करने की मांग पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली हिंसा के मामले में जेल में बंद पिंजरा तोड़ संगठन की कार्यकर्ता देवांगन कलीता की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अपने वकीलों से बात करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दिया है। जस्टिस विभू बाखरु की बेंच ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हुई सुनवाई के बाद 3 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान देवांगन कलीता की ओर से वकील अदीत पुजारी ने कोर्ट से कहा कि इस मामले की दूसरी सहअभियुक्त नताशा नरवाल की ऐसी ही याचिका पर सुनवाई करते हुए निस्तारित किया था। नरवाल की याचिका पर तिहाड़ जेल ने उसकी बहुत सारी मांगों को स्वीकार कर लिया था। अपने वकीलों से एक हफ्ते में दो बार तीस मिनट के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग की अनुमति दी जाए। याचिका में वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान हेडफोन का इस्तेमाल करने और स्क्रीन शेयरिंग की अनुमति दी जाए। कलीता ने अपनी याचिका में तिहाड़ जेल से पढ़ने के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग की है।

बिजली खपत जून में 9.74 प्रतिशत घटकर 106.48 अरब यूनिट रही

नई दिल्ली। देश में कोविड 19 महामारी के चलते लागू लॉकडाउन से मांग में कमी की वजह से बिजली की खपत जून में 9.74 प्रतिशत घटकर 106.48 अरब यूनिट रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 117.98 अरब यूनिट थी। हालांकि, बिजली की मांग में गिरावट का सिलसिला जून में कुछ कम हुआ, क्योंकि इसमें मई में 14.86 प्रतिशत और अप्रैल में 23.21 प्रतिशत गिरावट हुई थी। बिजली मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक सरकार द्वारा लॉकडाउन में राहत देने और देश में गर्मी का प्रकोप बढ़ने के बाद बिजली की खपत में सुधार हुआ है। कोविड19 महामारी के कारण लागू प्रतिबंधों के चलते इस साल अप्रैल, मई और जून में वाणिज्यिक तथा औद्योगिक गतिविधियां सुस्त रहीं, जिसके कारण बिजली की खपत में कमी हुई। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस साल जून में बिजली की कुल खपत 106.48 अरब यूनिट थी, जबकि पिछले साल इसी महीने में खपत 117.98 अरब यूनिट थी। मई में बिजली की खपत 102.18 अरब यूनिट थी। आंकड़ों से पता चला है कि अप्रैल में बिजली की खपत 23.21 प्रतिशत घटकर 84.55 अरब यूनिट रह गई थी। अगस्त तक बिजली की खपत या मांग सामान्य स्तर पर आ जाएगी।

दिल्ली में नियंत्रण में कोरोना की स्थिति, घट रहे हैं केस

दिल्ली में 30 जून तक एक लाख केस होने की संभावना जताई गई थीः केजरीवाल

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 01 जुलाई। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब दिल्ली में कोरोना के केस बढ़ने की बजाय घट रहे हैं। यह सफलता सभी दिल्ली निवासियों, एनजीओ, सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं, केंद्र सरकार, डॉक्टर और नर्स आदि के एकजुट प्रयास की वजह से मिली है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में 30 जून तक एक लाख केस होने की संभावना जताई गई थी, लेकिन आज सिर्फ एक तिहाई केस ही हैं। इसी तरह, 30 जून तक 60 हजार एक्टिव केस होने और अस्पताल में मरीजों को 15 हजार बेड की जरूरत पड़ने की संभावना जताई गई थी, लेकिन आज केवल 26 हजार केस एक्टिव हैं और 5800 बेड की ही जरूरत पड़ी है। अस्पतालों में बढ़ने की बजाय 450 मरीज कम हो गए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पहले 100 सैंपल की जांच में 31 पॉजिटिव केस मिलते थे, लेकिन अब केवल 13 मिल रहे। कोरोना से प्रतिदिन औसतन 60 से 65 लोगों की मौत हो रही है, जिसे और भी कम करना है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि लगभग एक महीना पहले, जब हमने दिल्ली में लॉकडाउन खोला था, तब बहुत तेजी से कोरोना के केस बढ़ने लगे थे। जब लॉकडाउन खोला, तो हमें उम्मीद थी कि दिल्ली में केस

बढ़ेंगे, लेकिन उम्मीद से अधिक तेजी से केस बढ़ने लगे। उस समय केंद्र सरकार का एक फार्मूला है। नेशनल एक्सपर्ट ने उनकी एक वेबसाइट बनाई है। वह वेबसाइट हमें यह बताती है कि आने वाले दिनों में कोरोना केस बढ़ने की संभावना क्या होगी? अगले एक महीने बाद या 2 महीने बाद कितने केस होंगे। उसके मुताबिक, जिस गति से दिल्ली में कोरोना के केस बढ़ रहे थे, इसका जब हमने या आकलन किया, तब निकल कर आया कि 30 जून तक दिल्ली में एक लाख के करीब केस होंगे, उसमें से लगभग 60,000 एक्टिव केस होंगे और लगभग 15000 बेड की जरूरत पड़ेगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह स्थिति गंभीर थी। हम लोगों ने हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठे। हम लोगों ने हार नहीं मानी। हम लोगों ने मेहनत और दोगुनी कर दी और उस वक्त हमने जिससे हो सकता था, सबसे मदद मांगी। हमने जनता के सामने स्थिति रखी कि 30 जून तक इतने केस होने की संभावना है। आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसके बाद मैं मदद मांगने के लिए सभी के पास गया। निजी और सरकारी अस्पतालों को इकट्ठा किया।

सभी सरकारी अस्पतालों को दुरुस्त किया। सभी होटल वालों से हम लोग मिले। होटल वालों ने हाईकोर्ट में मुकदमा कर दिया था। हमलोगों ने हाईकोर्ट में मुकदमा अपने पक्ष में किया, जो बहुत अच्छा रहा। हम लोग सभी बैंकट हॉल वालों से मिले। बहुत सारी एनजीओ, धार्मिक संस्थाए, केंद्र सरकार, सब लोगों की मांगी। जहां मदद नहीं मिली, वहां उनके पैर पकड़े कि हम सभी लोगों को मिलकर दिल्ली को बचाना है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली में दो करोड़ लोगों की मेहनत और सभी एजेंसीज की मेहनत से जो भयावह स्थिति हमें एक माह पहले नजर आ रही थी कि 30 जून को इतनी भयावह स्थिति होगी।

आज 1 जुलाई है और आज हम देखते हैं कि कहां खड़े हैं। एक माह पहले जिस भयावह स्थिति की संभावना जताई जा रही थी कि 30 जून तक एक लाख के करीब केस होंगे। यह आकलन किया जा रहा था कि 30 जून तक 60,000 एक्टिव केस होंग, लेकिन आज केवल 26 हजार एक्टिव केस है। आज लगभग एक तिहाई केस ही हैं।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम पर केंद्र के खिलाफ आप का जोरदार प्रदर्शन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । पेट्रोल डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और दिल्ली में इनकी कीमतें 80.43 रुपए और डीजल 80.53 रुपए पर पहुंच चुकी हैं। हालांकि बीते दो दिनों से दाम नहीं बढ़े हैं, लेकिन लगातार 21 दिनों तक इनकी कीमतों में बढ़ोतरी हुई और इस बढ़ोतरी ने पहली बार डीजल को पेट्रोल से महंगा कर दिया है। इन सबको लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी भी आज इस विरोध में आगे आई। आज यानी 1 जुलाई को आम आदमी पार्टी पेट्रोलडीजल की बढ़ी हुई कीमतों के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली की सभी विधानसभाओं में भी पार्टी कार्यकर्ता केंद्र के खिलाफ सड़क पर उतर रहे हैं। वहीं पार्टी के सभी फ्रंटल ऑर्गनाइजेशंस के कार्यकर्ता आज पार्टी मुख्यालय पर जमा हुए, जहां से उन्होंने भाजपा मुख्यालय तक नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम ने इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस

प्रदर्शन के दौरान राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि केंद्र सरकार तेल की कीमतों को लेकर तानाशाही वाले रवैए पर उतारू है। मनमाने ढंग से पेट्रोलडीजल की कीमतें बढाई जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र ने हमें मजबूर किया कि हम सड़क पर उतरें। उनका कहना था कि तेल की कीमतें बढ़ने से माल ढुलाई भी महंगी हुई है और इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ा है। दिल्ली सरकार द्वारा की गई वैट में वृद्धि और इसे लेकर केजरीवाल सरकार पर भाजपा द्वारा उठाए जा रहे सवालों को लेकर पूछने पर राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि राज्यों की स्थिति डांवाडोल है, सिर्फ दिल्ली केंद्र को डेढ़ लाख करोड़ का टैक्स देती है। इसलिए अब केंद्र को आगे आकर राहत देनी चाहिए। इस प्रदर्शन के दौरान पूरे समय सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती दिखीं। इसे लेकर सवाल करने पर राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी है और इसका पालन होना चाहिए, लेकिन उनके साथ खड़े कार्यकर्ता ही इसका उल्लंघन करते दिखे। राजेंद्र पाल गौतम के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ता बीजेपी मुख्यालय तक नारेबाजी करते हुए पहुंचे।

115 स्कूलों और हाउसिंग सोसाइटियों को नोटिस

नई दिल्ली । उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने अपने क्षेत्र में करीब 115 स्कूलों, हाउसिंग सोसाइटियों एवं संस्थागत भवनों को नोटिस जारी कर भूकंप को लेकर नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में एनडीएमसी ने यह कहा है कि इमारतों की भूकंपीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इधर, नगर निगम के महापौर, उप महापौर के साथ ही वार्ड समितियों के अध्यक्षों व उपाध्यक्षों का चुनाव सम्पन्न हो गए हैं। इसके साथ ही अब भाजपा द्वारा बागी पार्षदों पर अनुशासन का डंडा चलाया जाने लगा है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के नरेला वार्ड समिति के चुनाव में पार्टी लाइन से हटकर वोट देने के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पार्षद ज्योति रछैया को नोटिस थमाया है। नोटिस में क्रास वोट करने को लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए 48 घंटे के भीतर जवाब मांगा गया है। 26 जून को हुए वार्ड समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार जयेंद्र डबास को 11 वोट मिले थे ।

ऑनलाइन लगी कक्षाएं, अब यूट्यूब पर भी मिलेंगे वीडियो

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण के चलते राजधानी दिल्ली में 31 जुलाई तक स्कूलों को बंद रखा गया है। हालांकि, एक जुलाई से स्कूलों में नए सत्र की शुरुआत की गई है। नए सत्र में छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं से जोड़ने की पहल की गई है। बच्चों को गूगल क्लास रूम समेत अन्य एप से भी जोड़कर कक्षाएं शुरू की गई है। विद्यालय के सभी शिक्षक अपनेअपने विषय से संबंधित ऑडियो, वीडियो, पीपीटी और वर्कशीट आदि से छात्रों को पढ़ा रहे हैं। छात्र भी प्रश्न पूछकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं। यह वीडियो यूट्यूब पर भी डाले जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त कर सकें। वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य नीता अरोड़ा ने बताया कि ऑनलाइन कक्षाओं से छात्रों के समय का भी सदुपयोग हो रहा है और नए सत्र की तैयारी भी हो रही है। पढ़ाई ही नहीं आर्ट एवं क्राफ्ट भी वीडियो के माध्यम से सिखाया जा रहा है। पढ़ाई के साथसाथ छात्र फेसबुक पेज के माध्यम से कोरोना

वायरस से बचने, सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। विद्यालय के छात्र घर बैठे ही अपनी पेंटिंग्स और कविताओं के माध्यम से संदेश प्रेषित कर रहे हैं। वहीं, नंद नगरी स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश सेमल्टी ने बताया कि नए सत्र की कक्षाएं सुबह जल्दी लग रही है ताकि छात्रों में सुबह जल्दी उठने की आदत बने और वह अपने अभिभावकों के स्मार्टफोन और पर्याप्त डाटा का उपयोग कर सके। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कक्षाओं यह समय इसलिए भी उपयोगी होगा क्योंकि दस बजे के बाद विद्यार्थी दूरदर्शन के शैक्षणिक कार्यक्रमों को देख सकते हैं। वहीं, विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई पर कोरोना का कोई प्रभाव नही पड़ेगा। उन्होंने बताया कि सत्र के पहले दिन ही लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थियों ने ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लिया। द्वारका स्थित जिंदल पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य उत्तम सिंह ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले जैसे छात्रों की पढ़ाई चल रही थी ।

लॉकडाउन में ढील मिलते ही दोगुनी हुई सड़क हादसों में मौत की संख्या

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। राजधानी में लॉकडाउन में मिली छूट के साथ सड़कों पर बड़ी संख्या में गाड़ियां उतर चुकी हैं। इनके साथ ही सड़क हादसों की संख्या भी बढ़ने लगी है। मई के पहले हाफ में जहां सड़क हादसों में 14 लोगों की मौत हुई थी तो वहीं दूसरे हाफ में सड़क हादसों में 27 लोग मारे गए हैं। गौरतलब है कि दिल्ली में 17 मई से लॉक डाउन में काफी छूट दी गई थी। दिल्ली में 25 मार्च से लॉकडाउन लगा हुआ था। 16 मई तक लॉकडाउन में कोई खास छूट नहीं दी गई थी। इस दौरान सड़क हादसों में लगभग 75 फीसदी तक कमी देखने को मिली। लॉकडाउन के लगभग 55 दिनों में सड़क हादसों में 45 लोगों की मौत हुई थी। बीते अप्रैल माह के 30 दिनों में सड़क हादसे में 22 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। वहीं 1 से 15 मई के बीच सड़क हादसों में कुल 14 लोग सड़क हादसों में मारे गए थे। पुलिस से मिले आंकड़ों के अनुसार मई के दूसरे हाफ में सड़क हादसे पहले हाफ के मुकाबले दोगुने हो गए हैं। 1 से 15 मई के बीच हुए सफक हादसों में जहां 14 लोगों की मौत हुई है तो वहीं 16 से 31 मई के बीच सड़क हादसों में 27 लोगों की मौत हुई है। वहीं सामान्य हादसों की बात करें तो मई के पहले हाफ में जहां 49 सामान्य सड़क हादसे हुए थे तो वहीं दूसरे हॉफ में 83 सामान्य सड़क हादसे हुए हैं। इन हादसों की बड़ी वजह दिल्ली की सड़कों पर एक बार फिर वाहनों की संख्या का बढ़ना माना जा रहा है। लॉकडाउन के मुकाबले भले ही सड़क हादसे बढ़े हैं, लेकिन बीते वर्ष की तुलना में सड़क हादसों में कमी देखने को मिली है।

ई रिक्शा और ऑटो रिक्शा के अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक व्यवस्था बदहाल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर में जगहजगह पर खड़ी ई रिक्शा और ऑटो रिक्शा से ट्रैफिक व्यवस्था बदहाल हो रही है, जिसके के कारण क्षेत्र की जनता इस ट्रैफिक से इस कदर परेशान हैं कि वह अपने घर या ऑफिस समय से नहीं पहुंच पाती हैं। बता दें कि अतिक्रमण के कारण न्यू अशोक नगर में बेहद भीड़भाड़ रहती है, जिसकी वजह से यहां अक्सर जाम की समस्या भी बनी रहती है। वहीं अतिक्रमण के कारण पैदल यात्रियों को भी निकलने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। दरअसल यहां पर ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही के कारण ई रिक्शा और ऑटो रिक्शा वाले अपनी मनमानी करते है। समाजसेवी शिवम रस्तोगी ने कहा कि ईरिक्शा चालकों की ओर से दुकानों के बाहर अवैध अतिक्रमण

करके स्टैंड बना लिए गए हैं, जिसके कारण उनका कुछ हद तक चलने वाला कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। वहीं दुकानदारों द्वारा ई रिक्शा चालकों को हटने की बात कहने पर वह दुकानदारों से बहस करते हैं। इलाके की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए ट्रैफिक पुलिस प्रशासन को बाजारों में पेट्रोलिग करनी चाहिए। समाज सौरभ अग्रवाल ने कहा कि लोगों को ट्रैफिक के नियमों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। शहर में चलने वाले ईरिक्शा से जहां ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ गई है, वहीं बाजार में यह लोग कई कई बार लंबी लाइन लगाकर चलते हैं, जिसके कारण अन्य राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ती है। जिला पुलिस प्रशासन को चाहिए कि वह भी ई रिक्शा चालकों को ट्रैफिक नियमों का पाठ पढ़ा कर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने में अपना योगदान दें।

ई-कॉमर्स वेबसाइट प्रोडक्ट पर लिखें निर्माणकर्ता देश का नाम, नोटिस

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने ईकॉमर्स वेबसाइट पर बिकने वाले सामानों का निर्माण करने वाले देश का नाम डिस्प्ले करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली बेंच ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई सुनवाई के बाद नोटिस जारी किया। याचिका वकील अमित शुक्ला ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि लीगल मेट्रोलॉजी रुल्स में 2017 में बदलाव कर सामानों का निर्माण करने वाले देश का नाम ईकॉमर्स वेबसाइट को डिस्प्ले करना अनिवार्य है, लेकिन इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। याचिका में अमेजन, स्नैपडील, फ्लिपकार्ट समेत सभी ई कॉमर्स कंपनियों को पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि आज जब देश की ज्यादातर जनता केंद्र सरकार की अपील का पालन कर रही है और राष्ट्र को मजबूत करने के लिए भारतीय सामानों की खरीददारी कर रही है, ऐसे में ये जरुरी है कि ईकॉमर्स वेबसाइट सामानों का निर्माण करने वाले देश का नाम डिस्प्ले करें। याचिका में कहा गया है कि अगर ईकॉमर्स कंपनियां सामानों का निर्माण करने वाले देश का नाम डिस्प्ले नहीं करती हैं तो इससे देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। याचिका में कहा गया है कि पिछले महीने ही वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले गवर्नमेंट ईमार्केट प्लेस ने सभी विक्रेताओं के लिए सामानों का निर्माण करने वाले देश का नाम डिस्प्ले करना अनिवार्य करने का आदेश दिया था।

दिल्ली-एनसीआर में कोरोना संक्रमित एक लाख के पार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली एनसीआर में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख को पार कर गया है। अकेले दिल्ली में 87 हजार 360 हो गया है, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम को जोड़ ले तो यह आंकड़ा एक लाख को पार कर जाता है, अकेले एनसीआर में जितने कोरोना केस हैं, उतने 215 में 196 देश में नहीं हैं। दिल्ली में कोरोना के 2,199 नए मामले सामने आए। इस दौरान 62 लोगों की मौत हुई। दिल्ली में कोरोना के कुल मामले बढ़कर 87,360 हो गए हैं, जबकि 2,742 लोगों की जान जा चुकी है। राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 2,113 लोग ठीक भी हुए हैं, अब तक 58,348 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 26, 270 हैं. 16,240 कोरोना मरीज होम आइसोलेशन में हैं, पिछले 24 घंटे में 9,585 आईटीपीसीआर टेस्ट हुए हैं, जबकि 7,592 एंटीजेन टेस्ट हुए हैं। दिल्ली में अब तक कुल 5,31,752 टेस्ट हुए हैं, दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 440 हो गई है। वहीं, नोएडा में कुल मरीजों की संख्या 2305 है, जिसमें 1506 मरीज ठीक हो चुके हैं और 22 लोगों की मौत हो चुकी है, एक्टिव केस 776 है। गाजियाबाद में 1614 केस सामने आ चुके हैं, जिसमें 667 ठीक हो गए है और 55 लोगों की मौत हो चुकी है. गाजियाबाद में अभी 896 एक्टिव केस है।

दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर की कोविड19 के चलते मौत

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ में तैनात एक इंस्पेक्टर की दक्षिणी दिल्ली के मैक्स अस्पताल में कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि इंस्पेक्टर संजीव कुमार यादव (49) की स्थिति बहुत नाजुक थी और वह वेंटिलेटर पर थे। मंगलवार की रात उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि बुखार और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद उनकी कोविड19 के लिए जांच कराई गई। जांच में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उन्हें करीब 15 दिन पहले मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने बताया कि स्थिति गंभीर होने की वजह से उन्हें प्लाज्मा भी चढ़ाया गया और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। पुलिस ने बताया कि यादव विशेष प्रकोष्ठ के दक्षिण पश्चिमी रेंज में तैनात थे और उन्हें इस साल बहादुरी के लिए पुलिस पदक भी दिया गया था। इससे पहले वह दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में भी तैनात थे। विशेष प्रकोष्ठ ने ट्विटर पर कहा कि वह यादव के परिवार एवं दोस्तों के साथ मजबूती से खड़ा है। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने भी ट्वीट कर शोक जताया। उन्होंने लिखा, 'कोविड19 से जंग में ड्यूटी निभाते हुए इंस्पेक्टर संजीव कुमार यादव के निधन से अत्यंत दुखी हूं। महान योद्धा, वीरता के लिए पुलिस पदक पाकर, उन्होंने दिल्ली पुलिस की ख्याति बढ़ाई। उनका असमय निधन संगठन के लिए अपूर्णीय क्षति है।

मेरी गहरी संवेदनाएं।' पुलिस ने बताया कि यादव के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं जो दिल्ली के लक्ष्मी नगर में रहते हैं। अब तक कोविड19 से नौ पुलिसकर्मियों की मौत हो चुकी है जबकि 850 में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

निसार अहमद का दिल्ली हिंसा में जलाया गया था घर पुलिस ने FIR किया दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि उसने उत्तरपूर्वी दिल्ली दंगों के मामले में शिकायतकर्ता निसार अहमद की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया है। निसार अहमद ने अपनी घर में आग लगाये जाने की शिकायत की थी, लेकिन पुलिस एफआईआर का कोई स्टेटस नहीं बता रही थी। जस्टिस सुरेश कैत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वो अपनी सुरक्षा और दूसरी शिकायतों के लिए उचित प्राधिकार जाएं। निसार अहमद ने याचिका दायर कर कहा था कि उसने देखा था कि कश्यप रोड और मेन नाला के मोड़ पर माइक और स्पीकर लगाकर नागरिकता संशोधन कानून के समर्थन में नारे लगाए जा रहे थे।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

शब्बीर शाह को उच्च सुरक्षा वाले अलग सेल में रखा गया है: तिहाड़ जेल

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल ने कहा है कि टेरर फंडिंग के मामले में जेल में बंद शब्बीर अहमद शाह को उच्च सुरक्षा वाले सेल में रखा गया है और उसे पर्याप्त चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। इस बात की जानकारी आज तिहाड़ जेल प्रशासन ने पटियाला हाउस कोर्ट को दी। तिहाड़ जेल की इस दलील के बाद स्पेशल जज धर्मेंद्र राणा ने शब्बीर शाह की अलग सेल देने की मांग वाली याचिका का निस्तारण कर दिया। जेल प्रशासन ने हलफनामा के जरिये दायर अपने जवाब में शब्बीर शाह का मेडिकल रिपोर्ट भी पेश किया जिसमें कहा गया था कि शब्बीर शाह की स्थिति स्थिर है। उसे सभी दवाईयां जेल के अस्पताल से दी जा रही हैं। पिछले 29 जून को कोर्ट ने शब्बीर शाह याचिका पर सुनवाई करते हुए तिहाड़ जेल को नोटिस जारी किया था। शब्बीर शाह ने अपनी याचिका में कहा था कि वर्तमान में तिहाड़ जेल में कोरोना के बढ़ते हुए संक्रमण से उनके जीवन को खतरा है। शब्बीर शाह ने अपने वकील एमएस खान के जरिये याचिका दायर था। शब्बीर शाह फिलहाल तिहाड़ जेल में दो मामलों में जेल में बंद है। एक मामला टेरर फंडिंग का है और दूसरा मनी लाउंड्रिंग का है। शब्बीर शाह के खिलाफ 2005 के मनी लाउंड्रिंग के केस में 2007 में केस दर्ज किया गया था। शब्बीर शाह को 25 जुलाई 2017 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। आगे की जांच के बाद एनआईए ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

डीयू की ऑनलाइन परीक्षा के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.ए अंतिम वर्ष के एक छात्र ने डीयू की ऑनलाइन परीक्षा ओबीई को रद्द करने की माँग करते हुए आज दिल्ली हाइकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसे कोर्ट ने तत्काल सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। इस याचिका में न्यायालय को बताया गया है कि पूरे लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं में विद्यार्थियों की बहुत कम उपस्थिति रही है। कई कोर्सों में तो सिलेबस भी पूरा नहीं हुआ है। ऑनलाइन कक्षाओं पर सवाल उठाते हुए याचिका में कहा गया है कि डीयू ने अपने नोटिफिकेशन में ऑनलाइन साधन विहीन लोगों के लिए कॉमन सुविधा केन्द्र की भी व्यवस्था की है और इसका आशय है कि डीयू भी इस बात से सहमत है कि सभी छात्रों के पास ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में डीयू ऑनलाइन कक्षाओं के जरिए सिलेबस खत्म करने का दावा कैसे कर सकता है। ऐसी परिस्थिति में ये परीक्षाएं महज औपचारिकता हैं और इससे छात्रों के परिणाम पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। याचिकाकर्ता अनुपम ने याचिका में यह भी कहा है कि इस ऑनलाइन एग्जाम में कदाचार को रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है। शपथ पत्र सिर्फ एक फॉर्मलिटी है और परीक्षाओं में किसी छात्र के स्थान पर उस विषय का कोई अन्य एक्सपर्ट भी उसकी परीक्षाएँ खुद देकर उसको अनुचित लाभ पहुँचा सकता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के कोविड सेंटर में महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग वार्ड होंगे

केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने कॉमनबेल्थ गेम्स में बनाए जा रहे 500 बेड के कोविड सेंटर का किया दौरा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 01 जुलाई । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कॉमनबेल्थ गेम्स में बनाए जा रहे करीब 500 बेड के कोविड सेंटर का आज दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कॉमनबेल्थ गेम्स में अभी 480 बेड का कोविड सेंटर बनाया जा रहा है। इस सेंटर में महिलाओं और पुरुषों के लिए अगलअलग वार्ड हैं।

डॉक्टर और नर्सों को रहने की व्यवस्था भी सेंटर में ही की गई है। उन्होंने कहा कि आईएलबीएस अस्पताल में कल (02 जुलाई) देश के पहले प्लाज्मा बैंक का उद्घाटन किया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोविड सेंटर की तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कॉमनबेल्थ गेम में यह 480 बेड का कोविड सेंटर बनाया जा रहा है। इसे एलएनजेपी अस्पताल के साथ जोड़ा जाएगा।

दिल्ली में बहुत बड़े स्तर पर बेड को बढ़ाया जा रहा है। यहां पर महिलाओं और पुरुषों के लिए अगल अलग वार्ड हैं। उपर डॉक्टर और नर्स के लिए रहने की जगह भी है। पिछले महीने के मुकाबले इस समय दिल्ली

में कोरोना के केस कम होते जा रहे हैं। अब थोड़ी स्थिरता नजर आ रही है और स्थिति नियंत्रण में होती जा रही है। मै उम्मीद करता हूं कि इतने बेड जो बना रहे हैं, इनकी जरूरत ही न पड़े। लेकिन यदि जरूरत पड़ती है, तो हमारे प्रयास में किसी भी तरह की कमी नहीं रहेगी। हम आगे और भी तैयारी करते रहेंगे, ताकि केस बढ़ते हैं, तो किसी को बेड की दिक्कत न हो।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि यहां पर अभी करीब 500 बेड होंगे। डॉक्टर्स फॉर यू एनजीओ का इसमें सहयोग रहेगा। इस एनजीओ ने शहनाई बैंक्वेट हॉल में भी सहयोग दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि पूरे दिल्ली के अंदर कई और बैंक्वेट हॉल लिए जा रहे हैं। कॉमनबेल्थ गेम्स में करीब 500 बेड बनाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि हमारी तैयारियां जारी रहेंगी। हालांकि अब केस आने कम हो गए हैं। मसलन, 23 जून को करीब 4 हजार केस आए थे और कलपरसों में 2000 से 2100 केस आए हैं। अब केस लगभग आधे हो गए हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हो सकता है कि बढ़ाए जा रहे बेड की जरूरत न पड़े और यदि जरूरत पड़ती है, तो हम इसके लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि यह वायरस ऐसा है कि इसके बारे में किसी को कुछ नहीं पता है। कब यह बढ़ जाएगा और कब घट जाएगा, यह किसी के लिए आंकलन करना बड़ा मुश्किल है। इसलिए हमें उसकी तैयारी करके चलनी है। जांच अधिक होने के बावजूद केस कम आने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह दोनों ही अच्छे संकेत हैं। अब मरीज काफी ठीक हो रहे हैं।

आज की तारीख में 87 हजार केस में से करीब 58 हजार लोग ठीक हो चुके हैं। ज्यादातर लोग अपने घर पर इलाज कराते हुए ठीक हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से मौतें कम हो गई हैं। पिछले महीने, एक दिन 125 लोगों की मौत हो गई थी, लेकिन अब 60 से 65 लोगों की मौत हो रही है। इसे अब और कम करना है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि प्लाज्मा बैंक का उद्घाटन कल होगा।

औद्योगिक विकास के रास्ते पर दौड़ेगा यमुना प्राधिकरण जेवर एयरपोर्ट के नजदीक वेयर हाउस बनाने पर जोर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नोएडा । यमुना प्राधिकरण अब औद्योगिक विकास के रास्ते पर फर्राटा भरने को तैयार है। प्राधिकरण औद्योगिक श्रेणी की हिस्सेदारी बढ़ाने जा रहा है। 2041 के मास्टर प्लान के तहत चालीस फीसद तक भूमि औद्योगिक श्रेणी में होगी। टप्पल शहरी केंद्र में औद्योगिक गतिविधियों को लेकर जल्द ही योजना तैयार होगी।

प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना की समीक्षा बैठक में यमुना प्राधिकरण ने भविष्य की रूप रेखा प्रस्तुत की। बैठक में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कोरोना से लड़ाई के लिए उठाए गए कदम एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया। प्राधिकरण में औद्योगिक गतिविधि के लिए मौजूदा मास्टर प्लान 2021 में केवल 13 फीसद जमीन का ही है। जबकि आवासीय व ग्रुप हाउसिंग में सबसे अधिक जमीन आवंटित की जाती है। नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में 15 से 17 फीसद जमीन उद्योगों के लिए है। इससे औद्योगिक विकास प्राधिकरण औद्योगिक विकास के अपने मकसद से दूर होते जा रहे हैं। यमुना प्राधिकरण को औद्योगिक विकास के रास्ते पर लाने के साथ उसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए औद्योगिक औद्योगिक भूमि के आवंटन को चालीस फीसद तक बढ़ाया जाएगा। प्राधिकरण की इस योजना पर औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने भी सहमति जताई है। इसके साथ ही महाना ने जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक विकसित होने वाले शहरी केंद्र टप्पल बाजना के औद्योगिक विकास की योजना तैयार करने पर भी सहमति जताई। इसके लिए जमीन अधिग्रहण करने का मॉडल शासन स्तर से तय किया जा सकता है। होने के कारण यहां लॉजिस्टिक हब व वेयरहाउस के लिए असीम संभावनाएं है। फेज दो के मास्टर प्लान में राया व टप्पल शहरी केंद्र का मास्टर प्लान राज्य सरकार पहले ही मंजूर कर चुकी है। लॉकडाउन अवधि में यमुना प्राधिकरण द्वारा एक अप्रैल से तीस जून के बीच 22 औद्योगिक भूखंड के आवंटन के जरिये 1656 करोड़ का निवेश जुटाने पर भी मंत्री ने अधिकारियों की प्रशंसा की। एयरपोर्ट कनेक्टिविटी समेत विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतिकरण दिया। उधर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कोविड 19 की से लड़ाई के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी एवं ढांचागत सुविधा फुट ओवर ब्रिज, गंगाजल, ट्रांसपोर्ट प्लान आदि के लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने आदि की जानकारी दी।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने गोविंदपुरी के कोविड सेंटर का किया दौरा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज दक्षिणी दिल्ली के गोविंदपुरी में बने कोविड19 सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी और दक्षिण पूर्वी जिले की डीएम हरलीन कौर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कोविड19 सेंटर पर दिए जा रहे सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने एक बयान दिया था, जिसकी वजह से दिल्ली वालों में डर की स्थिति थी। जिसके बाद प्रधानमंत्री ने अमित शाह को निर्देश दिया था कि दिल्ली के लोगों की जितनी मदद हो सके, उतनी मदद केंद्र सरकार करें। उसके बाद केंद्र सरकार दिल्ली प्रशासन के साथ मिलकर कई कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में रैपिड एंटीजन डिटेक्टर टेस्ट जो कि कोरिया से मंगाया गया है। उसके द्वारा टेस्ट किया जा रहा है दिल्ली में 169 सेंटर खोले गए हैं। जहां पर यह टेस्ट किए जा रहे हैं और टारगेट है कि 20 लाख लोगों का टेस्ट किया जाए।

दिल्ली बीजेपी में संगठनात्मक बदलाव शुरू 45 से कम उम्र वाले कार्यकर्ताओं की तलाश

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली बीजेपी में नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद अब संगठन में नए सिरे से बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पार्टी को दिल्ली बीजेपी में संगठनात्मक बदलाव के लिए 45 साल से कम कार्यकर्ताओं की तलाश है। दिल्ली बीजेपी के सामने आगामी निगम चुनाव एक बड़ी चुनौती है। इसे देखते हुए ही प्रदेश बीजेपी के शीर्ष पद पर तमाम वरिष्ठ नेताओं जो अध्यक्ष पद के दावेदार थे, उन सब को दरकिनार कर पार्टी ने निगम पार्षद आदेश गुप्ता को शीर्ष पद पर बिठाया।

अब संगठन में फेरबदल की जो प्रक्रिया शुरू हुई है, उसमें भी पहली बार आयु सीमा को भी आधार बनाने पर विचार चल रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार बीते रविवार को कोर ग्रुप की मीटिंग में तय हुआ है कि सबसे पहले दिल्ली के 282 मंडलों में चुनाव कराकर प्रमुख पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाए। उसके बाद 14 जिला के पदाधिकारी, फिर सभी मोर्चा और उसके बाद सबसे अंत में प्रदेश पदाधिकारी की नियुक्ति की जाए। बीजेपी सांसद व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन जो कोर ग्रुप में शामिल हैं, उन्होंने भी संगठन में युवा नेताओं को आने पर अपनी राय दी, तो सांसद मीनाक्षी लेखी ने इसका समर्थन किया। माना जा रहा है कि पार्टी उन सक्रिय कार्यकर्ताओं को ही इस बार मौका देगी जिनकी आयु 45 साल से कम है। दिल्ली बीजेपी के सामने अभी अभी नगर निगम चुनाव में बड़ी चुनौती है और मौजूदा नवनियुक्त अध्यक्ष जिनका कार्यकाल 3 साल का है। उन पर भी इसकी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है तो उन्हें अपनी टीम बनाने का पूरा मौका दिया जाएगा।

बताया जाता है कि इस बार अप्रैल 2022 में होने वाले नगर निगम चुनाव को ध्यान में रखते हुए ऐसी टीम का गठन करने पर कोर ग्रुप की सहमति बनी है, जो तीनों एमसीडी में एक बार फिर भाजपा का परचम लहरा सकें। पार्टी के एक पदाधिकारी के मुताबिक संगठन बनाने के लिए जल्द ही पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया जाएगा। पर्यवेक्षक मंडल जिला स्तर के संगठन का चुनाव कर आएंगे फिर पदाधिकारियों की टीम का गठन किया जाएगा। इनमें उन सभी युवा कार्यकर्ताओं के बारे में विचार किया जाएगा। जिन्होंने पिछले एक साल के दौरान लोकसभा चुनाव और दिल्ली विधानसभा चुनाव में सक्रियता दिखाई थी।

किसान जमीन के अनुरूप बेहतर फसल लगायें: तोमर

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कृषि को अधिक लाभकारी बनने के लिए अलगअलग तरह की जमीन के अनुरूप फसलों के उन्नत प्रभेदों को लगाने की अपील की है। तोमर ने किसानों के नाम एक पत्र में कहा कि मानसून लगभग पूरे देश में आ गया है और कुछ स्थानों पर फसलों कि बुआई का काम पूरा हो गया है जबकि कुछ स्थानों पर बुआई का काम जोर शोर से चल रहा है।

उन्होंने कहा कि फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए बेहतरीन कृषि कार्य करे। कृषि मंत्री ने किसानों की सराहना करते हुए कहा कि लॉकडाउन के दौरान भी उन्होंने पूरे समर्पण और उत्तरदायित्व के साथ कृषि कार्य पूरा किया है जबकि व्यापार और उद्योग को इसने प्रभावित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले तीन मह से कोरोना संकट से निपटा जा रहा है। बाधाओं के बावजूद रबी फसलों की कटाई और खरीद प्रक्रिया पूरी की गई। तोमर ने कहा है कि खरीफ के दौरान धान मुख्य फसल है जिसके लगाने की बेहतरीन प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए।

इसके साथ ही कीट नियंत्रण किया जाना चाहिए। जैविक कीटनाशक, कंपोस्ट तथा बीज उपचार किया जाना चाहिए। मिट्टी जांच की सिफारिशों के अनुसार रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बेहतर फसल प्रबंधन से फसलों की उपज कई गुना बढ़ाई जा सकती है। फसलों को लगाने से पहले सोचसमझ कर कर निर्णय किया जाना चाहिए। कृषि मंत्री ने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी ने देश के आत्मनिर्भर होने पर जोर दिया है।

कोविंद, मोदी और अन्य नेताओं ने नयाडू को जन्मदिन पर दी बधाई

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को बुधवार को उनके 71वें जन्मदिन की बधाई दी और उनके दीर्घायु होने की कामना की है। कोविंद ने ट्वीट कर कहा, 'मैं कामना करता हूं कि ईश्वर आपका स्वास्थ्य अच्छा बनाए रखे और आप अपनी विशिष्ट ऊर्जा, गतिशीलता और विवेकशीलता के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहें।'

नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट पर लिखा, 'हमारे ऊर्जावान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, वह स्वस्थ और दीघायु हों। वेंकैया जी के जोशीले स्वभाव, बुद्धिमत्ता और चातुर्य के लिए राजनीतिक क्षेत्र में उनकी प्रशंसा होती है। वह राज्यसभा के अध्यक्ष के रूप में भी असाधारण हैं।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर उपराष्ट्रपति को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू जी को हार्दिक शुभकामनाएं। वह बेहद अनुभवी नेता है जिनका सभी दल राजनीति से ऊपर उठकर उनकी सादगी और संसदीय मामलों की गहरी जानकारी के लिये सम्मान करते हैं। मैं उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।' भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने ट्वीट कर कहा, 'भारत के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को जन्मदिन की बधाई।

आपके विशाल अनुभव और ज्ञान ने हमारा बहुत मार्गदर्शन किया है। आपकी अध्यक्षता में, राज्यसभा ने अधिकतम समय का उपयोग कर कार्यों को निपटाया है। मैं आपके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने ट्वीट कर कहा, 'उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका दीर्घकालिक अनुभव एवं दूरदर्शिता सदैव राष्ट्र के लिए उपयोगी रही है एवं हम सभी का मार्गदर्शन करती रही है।

सांस लेने का तरीका बदलकर आप हरा सकते हैं कोरोना वायरस को

नई दिल्ली । वर्तमान समय में कोरोना वायरस से बचने के सबसे बड़े हथियारों में फिजिकल डिस्टैंसिंग, मास्क लगाना और लगातार हाथ धोना शामिल हैं।

इससे बचने के लिए अभी तक हमारे पास कोई और उपचार मौजूद नहीं था, लेकिन अब नोबेल पुरस्कार जीतने वाले फार्माकोलॉजिस्ट लुईस जे इग्नारो ने बड़ा दावा किया है। लुईस जे इग्नारो ने बताया कि सही तरीके से सांस लेने पर कोविड19 को हराने में मदद मिल सकती है। जी हां, सही सांस लेने से मतलब है कि आप नाक से सांस लें और मुंह से छोड़ें। जिन लोगों का सांस लेने का चक्र गड़बड़ है, उनको कोरोना जल्दी होने के आसार होते हैं। द कन्वर्सेशन में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति अपनी नाक से सांस लेता है और अपने मुंह से बाहर निकालता है तो यह उसके शरीर के लिए अधिक फायदेमंद होगा। साल 1998 में फिजियोलॉजी और मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार पाने वाले लुईस जे इग्नारो द्वारा लिखित अध्ययन में कहा गया है कि सांस लेने का यह तरीका अधिक फायदेमंद है, क्योंकि नेजल कैविटी कुछ नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन करती है। ये मोलेक्यूल फेफड़ों के जरिए रक्त प्रवाह को बढ़ाकर रक्त में ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाता है।

जब कोई अपनी नाक से सांस ले रहा होता है तो नाइट्रिक ऑक्साइड सीधे उनके फेफड़ों में पहुंच जाती है। इससे फेफड़ों में कोरोना वायरस की प्रतिकृति अवरुद्ध हो जाती है। इसके अलावा ब्लड में ऑक्सीजन की भरपूर मात्रा से व्यक्ति तरोजाता महसूस कर सकता है। मानव शरीर लगातार नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन करता है, जो हमारे शरीर की नसों, धमनियों खासकर फेफड़ों में एंडोथेलियम के निर्माण में मदद करती है।

गूगल क्रोम एक्सटेंशन इन्स्टॉल करते वक्त सतर्क रहें इंटरनेट उपभोक्ता

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। देश की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने बुधवार को कहा कि इंटरनेट उपभोक्ताओं को गूगल क्रोम के एक्सटेंशन को इन्स्टॉल करते वक्त सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कंपनी ने 100 से अधिक ऐसे लिंक हटाए हैं, जो उपभोक्ताओं के संवेदनशील डेटा को एकत्रित कर रहे थे। भारत के साइबर स्पेस की

रक्षा करने वाली और साइबर हमलों से मुकाबला करने वाली एजेंसी द कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ऑफ इंडिया (सीईआरटीइन) ने कहा कि उसने यह भी पाया कि इन एक्सटेंशन में ऐसे कोड्स थे जिनकी मदद से इन्हें गूगल क्रोम के वेब स्टोर की सुरक्षा जांच से छिपाया जा सकता था। उसने कहा कि निजता को खतरे में डालने वाले इन लिंक्स में स्क्रीनशॉट लेने, क्लिपबोर्ड को पढ़ने, उपभोक्ताओं के पासवर्ड को पढ़ने तथा अन्य गोपनीय सूचना हासिल करने की क्षमता थी। एजेंसी ने परामर्श में कहा कि जानकारी मिली है कि गूगल ने क्रोम वेब स्टोर से गूगल क्रोम ब्राउजर के ऐसे 106 एक्सटेंशन हटा दिए हैं, जो उपभोक्ता के संवेदनशील डेटा को एकत्रित कर रहे थे। उसने कहा कि ये एक्सटेंशन उपभोक्ताओं के वेब सर्च के नतीजे बेहतर करने, फाइलों को एक फॉरमेट से दूसरे में बदलने जैसे टूल के रूप में दिए जा रहे थे और कुछ एक्सटेंशन सुरक्षा जांच के रूप में काम कर रहे थे। संघीय साइबर सुरक्षा एजेंसी ने यूजर्स को गूगल क्रोम एक्सटेंशंस को हटाने का सुझाव दिया है। उसने कहा कि यूजर क्रोम एक्सटेंशंस पेज पर जा सकते हैं और डेवलपर मोड को चालू करके यह देख सकते हैं कि कोई खतरे वाला एक्सटेंशन तो उनके पास इन्स्टॉल नहीं है और फिर उसे अपने ब्राउजर्स से हटा सकते हैं। एजेंसी ने इंटरनेट उपभोक्ताओं को केवल वे एक्सटेंशंस इन्स्टॉल करने की सलाह दी है जिनकी बेहद जरूरत है और ऐसा करने से पहले उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाएं देखने के लिए कहा है। उसने कहा कि ऐसे एक्सटेंशंस अनइन्स्टॉल कर दें जिनकी जरूरत नहीं है। साथ ही अपुष्ट स्रोतों से एक्सटेंशंस इन्स्टॉल न करें।

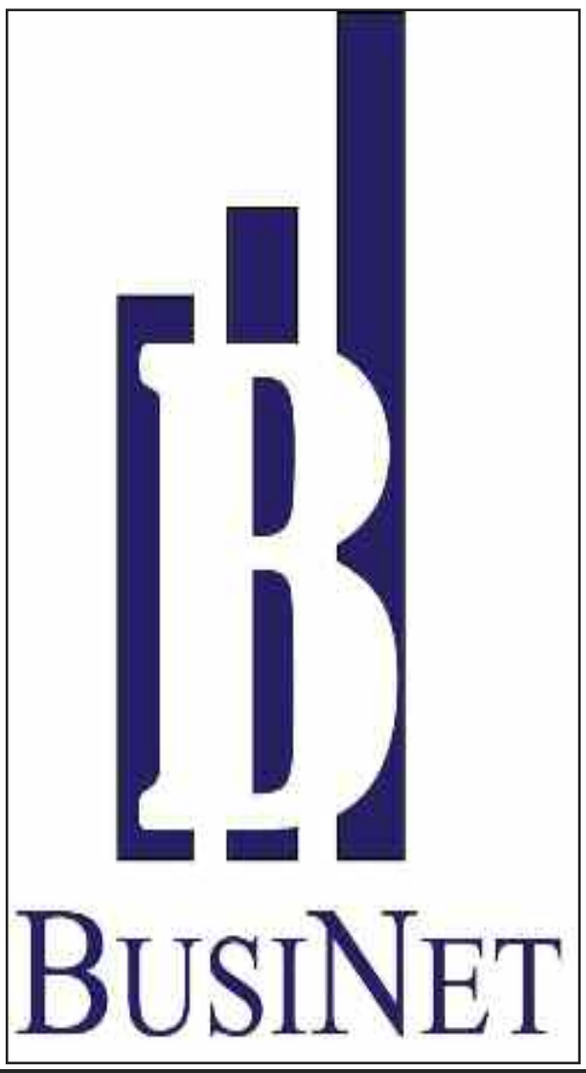

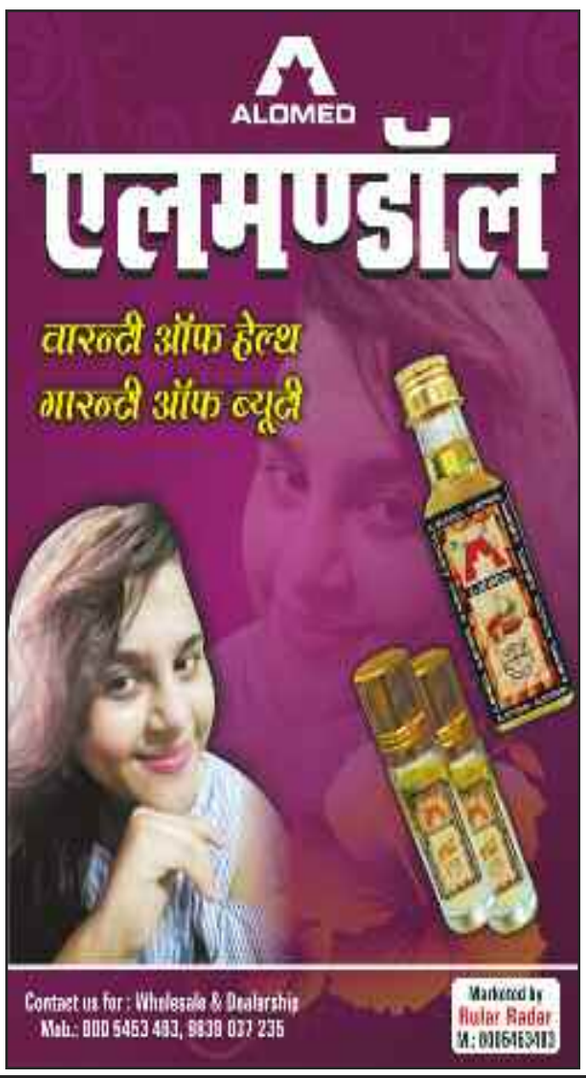

संपादकीय

2020 के पहले 6 महीनों पर एक नजर... देश ने क्या खोया और क्या पाया

नये वर्ष की शुरुआत नागरिकता कानून में संशोधन के खिलाफ दिसंबर 2019 से जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई। हालांकि सरकार यह साफ कर चुकी थी कि संसद में जो निर्णय हुआ है उसे किसी भी सूरत में बदलने का सवाल ही नहीं है। इसलिए प्रदर्शनकारी धीरेधीरे प्रदर्शनों की संख्या बढ़ाते चले जा रहे थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव भी नजदीक थे इसलिए यह विरोध प्रदर्शन बड़ा सियासी मुद्दा बन चुके थे। कुछ विपक्षी पार्टियों के शासन वाले राज्यों ने तो सीएए के विरोध में विधानसभा से प्रस्ताव पारित करा कर नयी परम्परा शुरू की जिसके तहत संसद से पारित विधेयक के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया गया। नये साल की शुरुआत में देश को सेनाध्यक्ष के रूप में मनोज मुकुंद नरवणे मिले तो देश के पहले सीडीएस के रूप में बिपिन रावत की नियुक्ति हुई। जनवरी माह में ही डब्ल्यूएचओ ने वर्ष 2020 को नर्स और दाई वर्ष घोषित किया। तब किसे पता था कि वाकई यह वर्ष नर्सों और दाइयों और डॉक्टरों की अनवरत सेवा लेने वाला वर्ष बन जायेगा। 20 जनवरी को भारत की सत्तारुढ़ पार्टी भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए जगत प्रकाश नड्डा को चुना। जनवरी माह में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तब चिंता बढ़ गयी जब लगा कि अब अमेरिका और ईरान के बीच कभी भी युद्ध हो सकता है। ऐसा तब हुआ जब बगदाद में अमेरिकी हमले में ईरानी सेनाध्यक्ष जनरल कासिम सोलेमानी मारा गया। जनवरी माह के अंत में भारत में कोरोना वायरस का पहला मरीज केरल में सामने आया जिसको देखते हुए सरकार चिंतित हो गयी और स्वास्थ्य मंत्रालय एक्शन मोड में आ गया हालांकि हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग जनवरी मध्य से ही शुरू की जा चुकी थी लेकिन अब स्वास्थ्य मंत्रालय ने विभिन्न समितियों का गठन करके आगे आने वाली बड़ी चुनौती के लिए कमर कस ली थी।

फरवरी माह की शुरुआत केंद्रीय बजट पेश किये जाने के साथ हुई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की प्रगति को आगे ले जाने में सहायक बजट पेश किया और कई नई योजनाओं की शुरुआत की जिसमें विवाद से विश्वास तक योजना प्रमुख रही। फरवरी माह में संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र नामक ट्रस्ट का गठन किया है। फरवरी माह में दिल्ली विधानसभा चुनावों में शाहीन बाग बड़ा मुद्दा बना। मुकाबला शुरू से ही भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच नजर आ रहा था। कांग्रेस ने तो प्रचार भी तब शुरू किया जब यह खत्म होने में मात्र एक सप्ताह का समय बचा था। भाजपा के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने एड़ीचोटी का जोर लगाया, यही कारण रहा कि भाजपा अपना वोट बैंक तो बरकरार रखने में सफल रही लेकिन इसे सीटों में परिवर्तित नहीं कर पाई। इस तरह आम आदमी पार्टी भारी बहुमत के साथ 63 सीटें हासिल कर सत्ता में लौटी और भाजपा अपना पिछली बार का तीन का आंकड़ा कुछ सुधार कर 8 सीटों पर आकर रुक गयी। कांग्रेस एक बार फिर अपना खाता खोलने में भी नाकामयाब रही। अरविंद केजरीवाल ने अपनी पिछली कैबिनेट के साथ एक बार फिर पद और गोपनीयता की शपथ ली। 12 फरवरी 2020 का दिन इसलिए लोगों के लिए यादगार बन गया क्योंकि उसी दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस को कोविड19 नाम प्रदान किया। फरवरी माह में उत्तर प्रदेश की राजधानी में डिफेंस एक्सपो भी आयोजित किया गया जिसमें विदेशी कंपनियों ने देशी कंपनियों के रक्षा उत्पादों को देखा और सराहा। इस दौरान कई विदेशी कंपनियों से रक्षा अनुबंध भी हुए। फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा निर्णय देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को अपने उम्मीदवारों का आपराधिक ब्यौरा भी सार्वजनिक करना होगा। ब्रिटेन में हुए संसदीय चुनावों में जब बोरिस जॉनसन एक बार फिर प्रधानमंत्री चुने गये तो उन्होंने भारतीय उद्योगपति एन. नारायणमूर्ति के दामाद रिषि सुनक को अपनी सरकार में वित्त मंत्री बनाया।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

कैसे चीन को खुश करने में लगे हैं राहुल गांधी

आज के दिन सारा देश देख रहा है कि भारत वर्तमान में वैश्विक महामारी कोरोना और चीन की शरारतपूर्ण सीमा विवाद रूप में दो घोर चुनौतियों से प्रतिदिन सामना कर रहा है। भारत इन दोनों चुनौतियों का मुकाबला भी कर रहा है, पर कांग्रेस और उसके नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी सरकार से प्रतिदिन इस तरह के सवाल कर रहे हैं मानों वे भारत के साथ नहीं, बल्कि चीन के साथ खड़े हों। कभीकभी लगता है कि उनकी चर्चा करना ही व्यर्थ है। क्योंकि ये सुधरने वाले तो हैं नहीं । ये वक्त की नजाकत को समझने के लिए भी तैयार नहीं हैं।

जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को बता चुके हैं कि चीन ने भारत की एक इंच भी जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, तो फिर भी सवाल पर सवाल करने का मतलब ही क्या है? मोदी ने कहा, ''जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश की संप्रभुता सर्वोच्च है। देश की सुरक्षा करने से हमें कोई भी रोक नहीं सकता। हमारे दिवंगत शहीद वीर जवानों के विषय में देश को इस बात का गर्व होगा कि वे दुश्मनों को मारतेमारते ही शहीद हुए हैं। क्या आपको देश के सूरते हाल पर प्रधानमंत्री से भी अधिक विश्वसनीय जानकारी कोई दे सकता है? पर यह छोटी सी बात सोनिया या राहुल गांधी को समझ नहीं आ रही है। वे बारबार यही कह कर देश को गुमराह कर रहे हैं कि चीन के साथ हुई झड़प पर संसद का सत्र बुलाया जाए। क्या कोरोना काल में यह करके वे सबकी जान जोखिम में डालना चाहते हैं । वास्तव में राहुल गांधी संकट की इस घड़ी में ओछी राजनीति कर रहे हैं। उनके बयानों को सुनपढ़कर चीन अवश्य ही खुश होता होगा कि आखिर राजीव गाँधी फाउंडेशन को कई लाख डालर का दिया गया चंदा काम आ गया ।

1962 की जंग से डोकलम विवाद तक

आज दुश्मन की भाषा बोलने वाले जरा 1962 की हार से लेकर डोकलम विवाद तक के पन्नों को खोलकर देख लें। पंडित नेहरू की अदूरदर्शी चीन नीति का परिणाम यह रहा था कि देश को अपने मित्र पड़ोसी बौध राज तिब्बत के अस्तित्व को खोना पड़ा, 1962 में युद्ध लड़ना पड़ा और युद्ध में मुंह की खानी पड़ी । उस जंग के 58 साल गुजरने के बाद भी चीन ने हमारे अक्सईचिन पर अपना कब्जा जमाया हुए है। अक्सईचिन का कुल क्षेत्रफल 37,244 वर्ग किलोमीटर है। यह एक रणनीतिक क्षेत्र है । जल संसाधनों और खनिजों से भरपूर है और हमारे हिन्दू आस्था केन्दों के नजदीक है । क्या इसपर वापस कब्ज़ा करने की चिंता पिछले 58 वर्षों में नहीं होनी चाहिये थी । नेहरु ने ही संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् में भारत का स्थान ठुकराकर चीन का नाम प्रस्तावित किया था । उस समय तो नेहरु गुट निरपेक्षता के वायरस से ग्रस्त थे और वे विश्व नेता बनना चाह रहे थे । न तो वह कर पाये न ही अपनी सीमाओं को सुरक्षित रख पाये । पूरी कश्मीर समस्या के जन्मदाता भी वही हैं । यदि उन्होंने कश्मीर को अपने हाथ में रखने की जिद न की होती तो सरदार पटेल कब का समाधान कर चुके होते । पंडित नेहरू अपने से बड़ा और समझदार

विदेश मामलों का जानकार किसी को मानते ही नहीं थे। इसीलिये उनकी जिद में देश फँसा। उन्हें कैबिनेट की विदेश मामलों की समिति के मेंबर गृह मंत्री सरदार पटेल ने 1950 में एक पत्र में चीन तथा उसकी तिब्बत के प्रति नीति से सावधान रहने को कहा था। अपने पत्र में पटेल ने चीन को भावी शत्रु तक घोषित कर दिया था। पर, नेहरू ने उनकी एक नहीं सुनी और पटेल की भविष्यवाणी ठीक 12 वर्षों के बाद 1962 में सच निकली ।

कैसे भड़कते थे नेहरू

भारतीय संसद में 14 नवंबर,1963 को चीन के साथ युद्ध के बाद की स्थिति पर चर्चा हुई। नेहरू ने प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा मुझे दुख और हैरानी होती है कि अपने को विस्तारवादी शक्तियों से लड़ने का दावा करने वाला चीन खुद विस्तारवादी ताकतों के नक्शेकदम पर चलने लगा। वे बता रहे थे कि चीन किस तरह से भारत की पीठ पर छुरा घोंपा। वे बोल ही रहे थे कि करनाल से सांसद स्वामी रामेश्वरनंद ने व्यंग्य भरे अंदाज में कहा, 'चलो अब तो आपको चीन का असली चेहरा दिखने लगा।' इसपर, नेहरू नाराज हो गए स्वामी रामेश्वरनंद की टिप्पणी पर क्रुद्ध होकर कहने लगे, अगर माननीय सदस्य चाहें तो उन्हें सरहद पर भेजा जा सकता है। सदन को नेहरु जी की यह बात समझ नहीं आई। पंडित नेहरु प्रस्ताव पर बोलते ही जा रहे थे। तब एक और सदस्य एच.वी.कामथ ने कहा, आप बोलते रहिए। हम बीच में व्यवधान नहीं डालेंगे। अब नेहरुजी विस्तार से बताने लगे कि चीन ने भारत पर हमला करने से पहले कितनी तैयारी की हुई थी। पर उन्होंने ये नहीं बताया था कि चीन के मुकाबले भारत की तैयारी किस तरह की क्या तैयारी की थी। इसी बीच, स्वामी रामेश्वरानंद ने फिर तेज आवाज में कहा, 'मैं यह जानने में उत्सुक हूं कि जब चीन तैयारी कर रहा था, तब आप क्या कर रहे थे।' सवाल वाजिब था। पर अब नेहरू जी अपना आपा खोते हुए कहने लगे, 'मुझे लगता है कि स्वामी जी को कुछ समझ नहीं आ रहा। मुझे अफसोस है कि सदन में इतने सारे सदस्यों को रक्षा मामलों की पर्याप्त समझ नहीं है। मतलब तीखा सवाल पूछ लिया तो वे खफा हो गए। बुरा मत मानिए कि जिस शख्स को बहुत ही लोकतान्त्रिक नेता माना और बताया जाता है, वह कभी भी स्वस्थ आलोचना झेलने का माद्दा नहीं रखता था। अपने को गुट निरपेक्ष आंदोलन का मुखिया बताने वाले नेता चीन के साथ संबंधों को मजबूत करना तो छोडिए, संबंधों को सामान्य बनाने में भी मात खा गये थे । अक्साई चीन की 37000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर कब्ज़ा पर बोलते हुए पंडित नेहरु ने कहा कि इस अक्साई चीन का क्या करना ? वहां तो घास भी पैदा नहीं होती ? नेहरु जी गंजे थे । एक सदस्य ने कहा, तब तो सारे गंजों को सिर कटवा लेना चाहिये।

आंखों में आंख डालकर बात

अब तो यह स्थिति आ गई कि चीन से सम्मान और अपनी भूमि खोने वाली भारत भी अब उससे आंखों में आंखें डालकर बातें तो कर रहा है। मोदी सरकार ने चीन को डोकलाम विवाद में ही उसको औकात समझा दी थी। वो डोकलम पर मात खाने के बाद चुप हो गया। अब तो भारत चीन का हर स्तर पर मुकाबला करने के लिए तैयारी भी कर चुका है। जल, थल और नभ में हम तैयार हैं । हाँ भारत ने कभी भी वार्ता के दरवाजे बंद नहीं किए हैं। लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद से भारत का रुख भी आक्रामक बना हुआ है। भारत गलवान घाटी की घटना के लिए सीधे तौर पर चीन को जिम्मेदार ठहरा चुका है। यह बात विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी चीनी विदेश मंत्री को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान साफ कर दी थी। भारत के इसी रवैये के कारण अब चीन सीमा पर तनाव खत्म करना चाहता हैं। चीन समझ गया है कि यदि युद्ध की स्थिति आई तो पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा होगा और उसके साथ पाकिस्तान के अतिरिक्त कोई न होगा । भारत की भी यही चाहत है। गलवान में अपने 20 सैनिकों को खोने वाले भारत ने चीन के 40 से अधिक सैनिकों को और उसके कमांडिंग ऑफिसर को मार डाला था। भारत इस बार आरपार के संघर्ष के लिए तैयार है। वह हालात पर नजर बनाए हुए है। हालांकि वह यही चाहता कि दोनों देश बातचीत के जरिए विवाद को सुलझाएं। हिंसा से तो किसी को फायदा नहीं होगा। पर इस बार हिंसा या जंग का जवाब शांति की अपील से नहीं दिया जाएगा। बुद्ध, महावीर और गांधी को अपना आदर्श मानने वाले भारत में अर्जुन, कर्ण, छत्रपति शिवाजी, राणा प्रताप और रानी लक्ष्मी बाई को भी भी राष्ट्र नायक समझा जाता है। अब इस तथ्य से चीन जितना जल्द वाकिफ हो जाए वही बेहतर है।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

गरीब कल्याण योजना आत्मनिर्भर भारत के रास्ते में मील का पत्थर साबित होगा

जैसा कि हम जानते हैं कोविड19 से उपजी वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से सबसे अधिक हमारे प्रवासी मजदूर संकट में पड़े है । हमने देखा दोस्तों की जैसे ही लॉकडाउन किया गया देश के अलगअलग शहरों और बड़ेबड़े महानगरों से हमारे प्रवासी मजदूर कभी रोटी के लिए अपने गांव परिवार को छोड़कर शहरों की तरफ कूच किए थे अपना और अपने परिवार का पेट पालने के लिए लेकिन जैसे ही देश में लॉकडाउन किया गया तो इन प्रवासी लोगों के सामने खाने और रहने का भी लाले पड़ने लगे, इसलिए यह गरीब प्रवासी मजदूर हजारों किलोमीटर पैदल ही अपने घरों के तरफ चल दिए थे । जिसमें बहुत से हमारे प्रवासी बंधु लोग अपने मंजिल तक पहुंचने से पहले ही कहीं भूखे प्यासे तो कहीं किसी बस , ट्रक के पहियों के नीचे तो कहीं, ट्रेन के नीचे कुचलकर मारे गए ,और राजनीति अपने चरम बिंदु पर थी। हमने देखा कि देश के सभी राजनैतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे थे और सिर्फ अपनी राजनीति रोटियां सेक रहे थे। हमारे देश की विडंबना है कि कभी भी हमारे राजनैतिक दल देश के गरीब मजदूर और देश की एकता के साथ ही बात जब देश की सुरक्षा की होती है तो एकजुटता कभी भी नहीं दिखाते वही बात आरक्षण की हो तो सभी राजनैतिक दल एक हो जाते हैं जैसा कि हमने पिछले दिनों देखा ।

जैसा कि हमने देखा देश में लॉकडाउन के बाद आर्थिक रूप से कमजोर, मजदूर व श्रमिक वर्ग के लोगों के सामने रोजीरोटी का संकट खड़ा हो गया है , इसी को देखते हुए हमारे पीएम साहब जी ने गरीब कल्याण योजना की शुरुआत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने बिहार के खगड़िया जिले से शुरुआत किए । जोकि सराहनीय पहल है नहीं तो आने वाले वक्त में जितना कोरोनावायरस से लोग नहीं मारे जाएंगे उससे कहीं ज्यादा लोग भूखे मारे जाएंगे। अगर हम ध्यान से देखें तो हमारे देश के असली योद्धा हमारे अन्नदाता ही है जिसके कारण हमारे देश में अनाज की भंडारण पर्याप्त मात्रा में यह बात पिछले दिनों हमारे खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्री साहब जी बोले थे लेकिन यह बोलना भूल गए थे की अनाज भंडारण क्षमता हमारा पर्याप्त है इसलिए क्योंकि हमारे अन्नदाता दिन और रात अपने परिवार के साथ खेतो में डटे हुए है , तभी यह संभव हो पाया हमारे अन्नदाता दोस्तों चाहे गर्मी हो चाहे बरसात हो चाहे किसी प्रकार का वैश्विक महामारी हो फिर भी खेतों में डटे रहते हैं ताकि हमारे देश का कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए

लेकिन दुर्भाग्य है कि हमारे अन्नदाता ही अक्सर भूखे रहते हैं उनके बच्चे तड़पते हुए हम देखते हैं । यह बात में इसलिए दावे के साथ कह रहा हूं कि किसानों की मेहनत का उचित दाम कभी भी नहीं मिलता पिछले दिनों ही किसानों से एक रुपए प्रति किलो प्याज खरीद कर मंडी में 25 30 किलो बेचा गया और तो और देखने में आया था कि कई सारे राज्यों के किसानों ने अपने प्याज और टमाटर को सड़कों पर फेंक दिया क्योंकि उनको उचित मूल्य नहीं मिला उनके भाडे गाड़ी का भी कीमत नहीं मिल पा रहा था इसलिए उन्होंने सड़कों पर फेंक दिया जानवरो को खाते हुए देखा गया गया । आखिर क्यों नहीं किसानों प्रवासी मजदूरों को बराबरी का हक मिलता उनके मेहनत का उचित मूल्य मिलता है ? जबकि हमारे संविधान में सभी के बराबरी की बात कही गई है अगर आप देखें तो अनुच्छेद 14 में साफ लिखा गया है कि सभी बराबर है सभी का बराबर का अधिकार है इस देश में लेकिन हम देखते हैं देश के 90% संसाधनों पर 10% लोगों का कब्जा है वही 10% संसाधन पर 90% आम जनता किसी तरह गुजर बसर कर रहा है आखिर क्यों इतना भेदभाव है ? जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री जी ने गरीब कल्याण योजना बिहार के धरती से शुरू किए हैं ।जोकि पूरे 6 राज्यों के 116 जिलों में चलेगी और खास बात है कि उन राज्यों में चलाने के बात कही गई है जिनमे प्रवासी कामगारों की संख्या 25000 से ज्यादा है ,इसके तहत जैसा कि मोदी जी ने कहे है कि पूरे 125 दिनों का काम मिलेगा और पूरे 50 हजार करोड़ खर्च किए जाएंगे इस योजना पर बहुत अच्छी पहल है लेकिन मुझे लगता है कि इसको सभी राज्यों में शुरू करने की जरूरत है ,ताकि भविष्य में लोगों को दूसरे राज्यों में जाना ना पड़े केवल रोजी रोटी के लिए अगर रोजी रोटी के लिए दूसरे राज्यों में और शहरों में जाना पड़ेगा तो इससे ज्यादा दुःख की और कोई बात नहीं हो सकती । मेरे बात को याद रखना आप सभी कि आज जो वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण आर्थिक प्रगति देश की रुकी हुई है उसमें भी जान हमारे देश के ग्रामीण और उन्हें भी गांव के अन्नदाता ही मजबूत करेंगे। जैसा कि हम जानते हैं कि हमारे देश के ग्रामीण पहले से ही आत्मनिर्भर रहें लेकिन वैश्वीकरण ने जरूर कुछ चोट पहुंचाई है लेकिन फिर हमारा ग्रामीण जीवन और अर्थव्यवस्था मजबूत होगा और आत्मनिर्भर बनने के दिशा में चल दिया है जैसा कि हमने पिछले दिनों अलगअलग देश के हिस्सों से सकारात्मक ग्रामीण महिलाओं और किसानों की तस्वीरें देखी । देखने में आया कि ग्रामीण महिलाएं एक समूह बनाकर देश को आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दे रही है । ध्यान से देखें तो कोरोना को रोकने में हमारे ग्रामीण भारत की जागरूकता ने बहुत ही ज्यादा काम किया है। जैसा कि हम जानते हैं कि गरीब कल्याण योजना का मकसद जो प्रवासी मजदूर लॉकडाउन के कारण अपने गांव के तरफ चले गए और जो भी गांव में अभी हैं उन सभी कामगारों को उनके घर के पास ही काम दिया जाए।

विक्रम क्रांतिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय/आईएएस
अध्येता/मेंटर ।
www.womenexpress.in

शब्द सखी

चाहता हूँ तुमसे कुछ और बतिया
चाहता हूँ तुमसे कुछ और खिलखिलये
सुने जीवन मैं तुम ही तो चहचहाती हो
मुरजाये मुखडे को तुम ही तो खिलखिलाती हो
जब जरुरत पड़े ज्ञान की तो वेद बन जाये
व्याधि घेरे तन को तो आयुर्वेद बन जाये
मर्यादा सिखाने हेतु रामायण बन जाये
धर्म ज्ञान हेतु भगवत गीताएमहाभारत बन जाये
पुराणएउपनिषद न जाने क्या क्या बन जाये
बिना बोले सखी बहुत कुछ सिखा जाये
मित्रता कुछ अनूठी हैं सखी तेरी
जैसी चाहे वैसी सुरत देखी तेरी
क्लान्त मन से जब भी आँसू निकले
हे सखी तुमने ही चुपके से निगले
क्या क्या उपमा संज्ञा दूं तुम्हे सखी
माँएमितएप्यार सबका तुम हो शब्द सखी।।

मदन सिंह सिन्दल, कनक राजसमन्द राजस्थान।

निजी स्कूलों को नियंत्रित कर सरकार शिक्षकों की भर्ती करे

दरअसल सरकारी स्कूल फेल नहीं हुए हैं बल्कि यह इसे चलाने वाली सरकारों, नौकरशाहों और नेताओं का फेलियर है. सरकारी स्कूल प्रणाली के हालिया बदसूरती के लिए यही लोग जिम्मेवार है जिन्होंने निजीकरण के नाम पर राज्य की महत्वपूर्ण सम्पति का सर्वनाश कर दिया है. वैसे भी वो राज्य जल्द ही बर्बाद हो जाते है या भ्रष्टाचार का गढ़ बन जाते है जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस व्यवस्था पर निजीकरण का सांप कुंडली मारकर बैठ जाता है. आज निजी स्कूलों का नेटवर्क देश के हर कोने में फैल गया है. सरकारी स्कूल केवल इस देश के सबसे वंचित और हाशिये पर रह रहे समुदायों के बच्चों की स्कूलिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. अच्छे घरों के बच्चे निजी स्कूल में महंगी शिक्षा ग्रहण कर रहें और इस तरह हम भविष्य के लिए दो भारत तैयार कर रहें है।

दरअसल शिक्षा के माफिया स्कूली शिक्षा को एक बड़े बाज़ार के रूप में देख रहे हैं, जिसमें सबसे बड़ी रुकावट सरकारी स्कूल ही हैं. इस रुकावट को तोड़ने के लिए वे आये दिन नईनई चालबाजियों के साथ सामने आ रहे हैं जिसमें सरकारी स्कूलों में पब्लिकप्राइवेट पार्टनरशिप वयवस्था को लागू करने पर जोर दे रहें है. शिक्षा की सौदेबाजी के इस काम में नेताओं और अफसरशाही का भी समर्थन मिल रहा है जो सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने में मदद करते है और चाहते है कि यह व्यवस्था दम तोड़ दे निजीकरण इस व्यस्था को अपने आगोश में लें ले. यही कारण है कि राज्य सरकारें प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, ज़रूरी आधारभूत सुविधाओं की कमी, बच्चों की अनुपस्थिति और बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने के मसलों पर सरकार कोई जोर नहीं देती. आपको हैरानी होगी कि हरियाणा में पिछले दस सालों में प्राथमिक शिक्षकों की कोई भर्ती नहीं गई और वहां के लाखों छात्र अपनी योग्यता को साबित कर एचटेट की दसदस बार परीक्षाएं उत्तीर्ण कर चुके है. इससे यही साबित होता है कि सरकार राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर जोर नहीं देना चाहती।

करीब पांच साल पहले इलाहाबाद हाई ने सरकारी स्कूलों की दुर्दशा पर सख्त कदम उठाया था। कोर्ट ने कहा था कि जब तक जनप्रतिनिधियों, उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों और न्यायाधीशों के बच्चे सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ेंगे, तब तक इन स्कूलों की दशा नहीं सुधरेगी। सरकारी, अर्ध सरकारी सेवकों, स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, न्यायपालिका एवं सरकारी खजाने से वेतन, मानदेय या धन प्राप्त करने वाले लोगों के बच्चे अनिवार्य रूप से बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में पढ़ें और ऐसा न करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई हो। ये बात भी रखी गई कि यदि कोई कॉन्वेंट स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए भेजे तो उस स्कूल में दी जाने वाली फीस के बराबर धनराशि उससे प्रतिमाह सरकारी

खजाने में जमा कराएं और उनकी वेतनवृद्धि व प्रोन्नति कुछ समय के लिए रोकने की व्यवस्था हो। कोर्ट ने प्रदेश सरकार को उस समय अगले शिक्षा सत्र से इस व्यवस्था को लागू करने को कहा था। मगर यह व्यवस्था लागू करने का आदेश शिक्षा के ठेकदारों ने कागज़ों में ही गुम कर दिया। हमें सबके लिए एक समान स्कूल की बात करनी होगी। लेकिन, यह बात इतनी सीधी नहीं है। जब पानी से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य तक की चीजों को बाजार में ला दिया गया हो तो यह बात बेतुकी है। लेकिन, शिक्षा की जर्जर हालत को सुधारने के लिए हमें इस दिशा में बढ़ना होगा। सामाजिक न्याय, समरसता और बदलाव का यही एकमात्र रास्ता है। ये देश भर के सभी बच्चों के लिए एक ऐसी व्यवस्था की वकालत है, जिसमें हर वर्ग के बच्चे को बगैर किसी भेदभाव के एक साथ पढ़ने बढ़ने का अधिकार मिल सकता है। सबके लिए एक समान शिक्षा के अभाव में समाज के ताकतवर लोगों ने सरकारी स्कूलों को ठुकरा दिया है। और वो अपने बच्चों को हाईप्रोफाइल स्कूल में भेजना चाहते है। जिसके फलस्वरूप शिक्षा माफिया पनपते जा रहें है. शिक्षा को बाजारू बनाकर रख दिया गया है।

वैसे भी सावर्जनिक स्कूल तभी अच्छे तरीके से चल सकतें है जब इसके संचालन में समुदाय और अभिभावकों की भागीदारी हो. आज ग्रामींण क्षेत्र के ज्यादार सरकारी स्कूल बच्चों के अभाव में बंद होने के कगार पर है. लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल की बजाय पीले वाहनों में भेज रहें है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी जरूरी है लेकिन इस दिशा में सबसे बड़ी समस्या संसाधन सम्पन्न अभिभावकों का निजी स्कूलों की तरफ झुकाव है. सरकारी स्कूल के शिक्षक खुद अपने बच्चों को निजी स्कूल में भेज रहे है. ऐसे में वो बाकी लोगो को कैसे प्रेरित कर पाएंगे।

दरअसल हमारे सरकारी स्कूल संचालन/प्रशासन, बजट व प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी और ढांचागत सुविधाओं पर खरे उतरने में नाकाम रहे हैं जिससे लोगों का ध्यान सरकारी स्कूलों से हटकर निजी स्कूलों की तरफ पर केंद्रित हो गया हैऔर दूसरा शिक्षा माफियों ने इसे मौका समझकर अपना धंधा बना लिया है. इन माफियों में बड़ेबड़े नौकरशाह और नेता खुद किसी न किस तरह हिस्सेदार है. ऐसे में वो एकदम सरकारी स्कूलों की दिशा और दशा सुधारने के प्रयास नहीं करना चाहते।

ऐसे में एक उम्मीद न्यायपालिका से ही बचती है. वर्तमान दौर में देश भर में शिक्षक पात्रता उत्तीर्ण युवाओं की कोई कमी नहीं है. लेकिन वो नौकरी के अभाव में बेरोजगार है और देश हित में योगदान देने में असमर्थ है। केंद्र सरकार और न्यायपालिका को शिक्षा के निजीकरण पर पूर्ण पाबंदी लगानी चाहिए और देश में सबके लिए एक समान शिक्षा की पहल को पुख्ता करना चाहिए।

प्रियंका सौरभ
हिसार, हरियाणा।
www.womenexpress.in

कोरोना संबंधी ज्ञान वर्षा से भ्रमित होता आम आदमी

कोरोना महामारी का क़हर लगभग पूरे विश्व में अपना रौद्र रूप धारण किये हुए है। सुखद समाचार यह है कि जहाँ न्यूज़ीलैंड, तंज़ानिया, वेटिकन, फ़िज़ी, मोंटेनेग्रो, सेंट किट्स नेविस , सेशल्स, तिमोर लेस्त तथा पापुआ न्यू गिनी जैसे कई देशों ने कोरोना पर क़ाबू पाकर स्वयं को कोरोना मुक्त घोषित कर दिया है वहीं उत्तर कोरिया,तुर्कमेनिस्तान, माइक्रोनेशिया, तुवालु,किरिबाती, नाउरु, मार्शल आइलैंड्, पलाउ, वनुआटू,सोलोमन आइलैंड्स, टोंग जैसे अनेक छोटे परन्तु सौभाग्यशाली देश ऐसे भी हैं जो अभी तक कोरोना वायरस की पहुँच से दूर हैं। परन्तु दुनिया का जो बड़ा हिस्सा इस महामारी की चपेट में है उनमें से अधिकांश देशों में कोरोना ने तबाही मचा रखी है। अर्थव्यवस्था चौपट होने से लेकर लोगों की मौतों का सिलसिला लगातार जारी है। हालांकि दुनिया के अनेक देश इस महामारी से निजात दिलाने वाली औषधि के शोध कार्यों में दिन रात लगे हुए हैं परन्तु जब तक उपयुक्त औषधि का आविष्कार नहीं हो जाता तब तक या तो लोग स्वयं अपनी शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता के बल पर कोरोना के आक्रमण के बावजूद स्वस्थ हो रहे हैं या फिर इससे बचाव के रास्ते अपनाते हुए स्वयं को अपने अपने घरों में सुरक्षित रखे हुए हैं अर्थात अधिकांश समय तन्हाई में रहकर कोरोना से बचने का प्रयास कर रहे हैं। इस महामारी के क़हर का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि भारत सहित दुनिया के अनेक प्रमुख देशों में अस्पतालों में कोरोना मरीज़ों को भर्ती करने के लिए बेड व अन्य स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की कमी पड़ गयी है। और दुर्भाग्यवश मृतकों की संख्या भी विश्व स्तर पर इस क़द्र बढ़ चुकी है कि अनेक देशों में क़ब्रिस्तान व शमशान घाट में भी मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए या तो जगह कम पड़ गयी है,या नए प्लेटफ़ॉर्म बनाए जा रहे हैं या फिर अंतिम संस्कार हेतु प्रतीक्षा सूची बना दी गयी है। गोया आधुनिकता व विकसित होने का दावा करने वाला विश्व एक बार फिर क़ुदरत के इस प्रकोप के आगे असहाय नज़र आ रहा है। ज़ाहिर है इस महामारी के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर स्वास्थ्य संबंधी अनेकानेक संस्थाएं तथा इससे जुड़े विशेषज्ञ आम लोगों को अपनी राय,सलाह तथा इससे बचाव के अनेक उपायों से अवगत करा रहे हैं। और दुनिया यथासंभव इन उपायों का पालन भी कर रही है। उदाहरण के तौर पर एक दूसरे से दूरी बना कर रखना जिसे सोशल डिस्टेंसिंग भी कहा जा रहा है,मुंह पर मास्क लगाना,दिन में कई बार हाथ धोना,सेनिटाइज़र का इस्तेमाल करना,केवल अतिआवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलना,शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु विशेष खान पान सामग्री का नियमानुसार प्रयोग करना,कुछ विशेष व्यायाम करना,खांसने व छींकने के समय विशेष सावधानी बरतना जैसे अनेक उपायों पर अमल करने की सलाह दी

जा रही है। दुनिया के अनेक देश इन्हीं उपायों के मद्देनज़र लॉक डाउन का सामना भी कर चुके हैं या कर रहे हैं। निश्चित रूप से यह सब केवल इसी लिए किया जा रहा है ताकि दुनिया में लोगों की मौत की संख्या कम से कम हो सके। दुनिया के अनेक देशों ने जनहानि कम से कम होने के उद्देश्य के लिए ही लॉक डाउन कर अपने अपने देश की अर्थव्यवस्था को भी चौपट कर दिया है।

परन्तु इसी दौरान कोरोना से बचाव के उपायों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अनेक चिकित्सा विशेषज्ञों अथवा शोधकर्ताओं द्वारा ऐसी अनेक बातें भी की जा रही हैं अथवा ऐसी अनेक सलाहें भी दी जा रही हैं जो परस्पर विरोधी होने के चलते आम लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा कर रही हैं। ऐसी परस्पर विरोधाभासी सलाहों से आम आदमी इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाता कि आख़िर इसमें से कौन सी सलाह सही है कौन सी ग़लत। किस सलाह का पालन किया जाना चाहिए किस का नहीं। मिसाल के तौर पर सिनेटाइज़र के प्रयोग को ही लेलें। इसका इस्तेमाल इन दिनों सरकारी व ग़ैर सरकारी स्तर पर लगभग हर जगह किया जा रहा है। अनेक स्थानों पर यह अनिवार्य भी है। परन्तु दूसरी ओर इसके प्रयोग के अनेक नुक़सान भी बताए जा रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों द्वारा कहा जा रहा है कि हाथों में सेनिटाइज़र लगा होने पर यदि उसी हाथ से धोखे से कुछ खाया गया या वही हाथ आँख या मुंह में लग गया तो शरीर के रोग प्रतिरोधक कीटाणु मर सकते हैं। इसके ज्वलनशील होने के चलते अतिरिक्त सावधानियां भी बरतनी ज़रूरी है। यह ज्ञान भी दिया जा रहा है कि सेनिटाइज़र के इस्तेमाल से त्वचा भी ख़राब हो सकती है। कुछ विशेषज्ञों का तो यह भी मानना है कि सेनिटाइज़र का प्रयोग ही बेमानी है क्योंकि यह कोरोना के कीटाणु को मारने में सक्षम है ही नहीं। अब आम आदमी इनमें से किस सलाह को सही माने और किस पर अमल करे ?

इसी तरह मास्क के प्रयोग को लेकर भी कई अंतर्विरोधी मत हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञों ने मास्क लगाने को ज़रूरी बताया है परन्तु कुछ विशेषज्ञ यह ज्ञान भी दे रहे हैं कि मास्क भीड़ वाली जगहों में कुछ समय के लिए तो लगाया जा सकता है परन्तु लम्बे समय तक अकेले ही मास्क लगाकर घूमने का कोई औचित्य नहीं है। यहाँ तक कि देर तक मास्क लगाने के अनेक नुक़सान भी वर्णित किये जा रहे हैं। सुबह शाम की सैर करने को लेकर भी विरोधाभासी सलाहें दी जा रही हैं। कुछ की सलाह है कि कोरोना कीटाणु कुछ घंटों तक हवा में भी जीवित रहते हैं इसलिए सैर करना उचित नहीं जबकि डॉक्टर्स का ही एक वर्ग ऐसा भी है जो सैर को बढ़ावा देते हुए सलाह दे रहा है कि चूंकि कोरोना वायुमंडल में नहीं होता इसलिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए सैर का समय और अधिक बढ़ा देना चाहिए। ग़ौर तलब है कि इसी विरोधाभासी व अस्पष्ट सलाह के चलते अनेकानेक लोगों ने कोरोना के भय वश सैर करनी भी बंद कर दी है नतीजतन उनको शारीरिक रूप से असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोग लॉक डाउन में घर बैठे बैठे मोटे भी होते जा रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर भी आम आदमी इसलिए भी भ्रमित है कि एक तो घनी आबादी वाले देशों में इस व्यवस्था पर अमल कर पाना लगभग संभव भी नहीं नहीं दूसरे यह भी कि जब यही आम आदमी शादी विवाह,जन्म दिवस समारोहों,अनेक राजनैतिक व धार्मिक समारोहों तथा नेताओं के निजी कार्यक्रमों में अपने मार्ग दर्शकों को सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियाँ उड़ाते देखता है या बिना मास्क लगाए देखता है तो भी उसे महसूस होता है कि जब इन क़ानूनों पर नीति निर्माता ही अमल नहीं कर रहे तो यह नियम केवल आम आदमी के लिए ही क्यों ? इसी तरह की और भी अनेक विरोधाभासी ज्ञान वर्षा कोरोना के संबंध में की जा रही हैं जिन्हें लेकर आम आदमी भ्रमित हो रहा है।

तनवीर जाफरी
www.womenexpress.in

पहचान की लड़ाई

है पहचान की लड़ाई। चाहे
बहन हो या भाई।
जो पास तेरे आते। मन में यह
आस लाते।
कैसे मैं नाम कमाऊं। सबसे
आगे निकल जाऊं।
यह बात नई नहीं है। सदियों से
चल रही है।
दूजे को गिराकर, मैं ही
आगे जाऊं।
पहचान की लड़ाई सदियों से
चल रही है।
भेद ऐसे लेते, मीठे बन
मोह लेते।
धीरे से पास आते, पीछे
छुरी चलाते।
पहचान की लड़ाई सदियों से
चल रही है।
ऊपर से मीठी वाणी, अंदर से
कटु प्राणी।
मन में द्वेष पाले, ऐसे हैं
दुनिया वाले।
पहचान की लड़ाई सदियों से
चल रही है।
साथ खाना खाते, बातें बहुत
बनाते।
दूजे की खुशी को, सह
नहीं पाते।
पहचान की लड़ाई सदियों से
चल रही है।
ईर्ष्या की आग साडे, अंदर ही
अंदर मारे।
रिश्ते बहुत बनाते, बस अपना
काम चलाते।
दोस्त मीठे बनते, मतलब से
साथ चलते।
जितनी है जरुरत, उतनी ही
बात करते।
मतलब निकल जाने पर
पहचानते नहीं है।
ऐसे निकल जाते हैं जैस
` जानते नहीं हैं।
पहचान की लड़ाई सदियों से
चल रही है।
डॉ अशोक समझाएं अब भी
संभल जाओ,
कुछ रखा नहीं इसमें प्रभु
नाम कमाओ।

डॉ. अशोक कुमार वर्मा
कुरुक्षेत्र (हरियाणा) ।
www.womenexpress.in

कविता का निर्माण

इतना आसान नहीं लिखना
जितना लोग सोचते हैं
सोचना पड़ता है
कल्पना के ब्रह्मांड में
गोता लगाकर पहले।
मन मस्तिष्क में
उसे महसूस
करना पड़ता हैं पहले।
कल्पना की कलम चला कर
सोचना पड़ता है पहले ।
खुशी और ग़म को समझना
पड़ता है लिखने से पहले ।
करना पड़ता है चयन
शीर्षक का पहले ।
भावना एघटना की
गहराई में गोता
लगाना पड़ता है पहले।
उचित अल्फाजों को
शब्दों के गुलिस्तां में
से खोजना पड़ता है पहले।
सटीक शब्दों को
एक माला में पिरोके
कविता का रूप देना
पड़ता हैं पहले।

मुकेश बिस्सा
श्री कन्हैया कुन्ज 4 नवखुनिया
गांधी कॉलोनी, जैसलमेर ।
www.womenexpress.in

खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा

खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा।

जीवन में कुछ कर गुज़रने की चाह है तो,
जीवन पथ पर अग्रसर होना होगा,
जीवन के अंधकार में यूँ,
जुगनू बनकर हमें चमकना होगा,
खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा।

कठिन डगर पर पथिक अकेले तुझे,
यूँ ही कदम बढ़ाना होगा,यूँ ही चलते जाना होगा,
अगर जीवन में कुछ पाना है तो,
शक्ति की लौ तो जलानी होगी,
खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा।

राह में मिलेंगे भटकाव बहुत से लेकिन,
हमें मंज़िल को लक्ष्य बनाना होगा,
राह में हो अंधकार बहुत ही लेकिन,
हमें मन का दीप प्रज्वलित करना होगा,
खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा।

जीवन तो एक रणभूमि है,इसकी हार स्वयं की हार,
अब हमें थकना नहीं है,अब हमें रुकना नहीं है,
जीवनपथ पर यूँ ही अग्रसर होते जाना है,
कामयाबी की ओर यूँ ही बढ़ते जाना है,

अपनी सोई हुई तकदीर अब,
खुद ही हमें जगानी होगी,
छूना है गगन आसमां को तो,
मेहनत के पंख फैलाने होंगे,
खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा।

जीवन रंगमय करना है,जीवन सुंदर बनाना है तो,
हमें मेंहदी की तरह पिसना होगा,
जीवन में गगन कुंदन(सोने) की तरह चमकना है तो,
हमें कुंदन की तरह तपना होगा ,
खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा।

हाथ विजय का सर पर रख के,
निराशा का संहार करें हम,
जीवन सफल बनाना है तो,
अंतर्मन को जगाना होगा,
खुद से किया जो वादा उसे निभाना होगा।

ज्योति रानी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका
के.वि.मुजफ्फरपुर ।
www.womenexpress.in

संभल कर रहने में अभी भलाई

अब तो हो गई खुली छूट, कहीं भी हुआ आना जाना,
संभल कर रहने में अभी भलाई, तभी होगा मुस्काना।
जहाँ जरूरत ज़्यादा हो, वहीं जाना होगा बस! ठीक,
खतरों से खेलकर हमें, मंजूर न होगा कदम बढ़ाना।।

बच्चे बहुत हैं परेशान, स्कूल खुलने के न लगे आसार,
ऑनलाइन पढ़ाई उनके ज्ञान को न दे पा रही विस्तार।
घर में रहते रहते चिड़चिड़ापन हो रहा बच्चों पर हावी,
टीवी मोबाइल गेम में, बच्चों का दिन हो रहा गुलज़ार।।

शहरों व महानगरों में अभी न खुल रहे कल कारखाने,
इंतज़ार कर रहे खुले फैक्टरियां, जिससे जाए कमाने
जल्द न लग रहा कि खुलेंगी, बड़ी बड़ी ये फैक्टरियां,
अभी तो सारी बातें, हवा में जैसे हो तीर लगाने।।

इस महामारी ने अर्थव्यवस्था की रीढ़ दिया है तोड़,
सामाजिक व्यवस्था को, एक नया दे दिया है मोड़।
किसी के घर दुःख बीमारी में, जाते भी लग रहा डर,
नाते रिश्तेदारी भी लोगों ने, करना दिया है छोड़।।

वर्तमान में न हुआ था, किसी को बीमारी का अनुमान,
कई शक्तिशाली देशों का, इसने तोड़ दिया अभिमान।
दिन रात एक कर जुटे हैं वैज्ञानिक, वैक्सीन बनाने में,
सतर्कता और सावधानी से अभी बचनी है पहचान।।

लाल देवेन्द्र कुमार
श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]
www.womenexpress.in

मार्डन दोस्ती

मार्डन दोस्ती का ये पैतरां भी
खूब चला रहे हैं ,
अलशुबह ही फेसबुक पर नये
नये दोस्त बना रहे हैं !

माँ,बीबी घर में दस बार
बुलाती है चाय के लिये ,
फेसबुक पर ही ईमैज़िक चाय
पकौडे उडा रहे हैं !!

सारे रिस्ते टूटते जा रहे
कमजोर काँच की तरह ,
फेसबुक पर लोग बडी शिद्धत
से रिस्ते चला रहे हैं !

कभी मोहल्ले में बड़ो को दुआ
शलाम करते नहीं ,
फेसबुक पर पूरा का पूरा
शिष्टाचार निभा रहे हैं !!

कुछ लोग तो जैसे धर्म के
ठेकेदार ही बन गये ,
सभी को सिर्फ अपना ही
ढ़पली राग सुना रहे हैं !

पास वाले मन्दिर, मस्जीद,
गुरद्वारे की सीढ़ीयां चढी नहीं ,
फेसबुक पर ही केवल धर्म का
परचम लहरा रहे हैं !!

भूखे को रोटी खिला सकते
नहीं ,परेशां को दूतकारते हैं ,
लोग सोशल साइटों पर मदद
की हेल्प लाइन चला रहे हैं !

अब तो आशिकी का नया दौर
ही जैसे आ गया ,
अच्छेअच्छे शायरों की भाजिया
पाली बना रहे हैं !

बेचने को तो सब कुछ बेच
देंगे ,ईमान और सराफत भी ,
पापा का लाडले टिंकु स्नक्कपर
रोशनी बन कर छा रहे हैं !!

करन त्रिपाठी
हरदोई, उत्तर प्रदेश
www.womenexpress.in

बेटी और बहू में न भेदभाव कीजिए....

बेटी तो लगती हर हाल में प्यारी,
क्योंकि वो दिल का टुकड़ा होती है।
बहू भी है किसी के दिल का टुकड़ा,
ये बात सबको नही समझ आती है।

बेटियों पर अपार प्यार लुटाते हैं,
क्योंकि वो खुद की जाई होती हैं।
और यही प्यार बहू को नही दे पाते,
क्योंकि बहू पराये घर से आती है।

बेटी की गलती भी चीनी सी लगे,
जो हर हाल में मीठी ही लगती हैं।
बहू चाहे कितनी भी अच्छी हो,
बेटी के सामने सीठी ही लगती है।

पर जिन्हें बेटियों का मर्म पता है,
वह स्वधर्म निभाना नही भूलता है।
ऐसा दिल कभी पक्षपात नही करता
वो धर्म का रिश्ता प्रेम से निभाता है।
जहाँ बहू को बेटी सा प्यार मिलता,
वहाँ सदा खुशियों का वास रहता है।
सच्चे दिल से बहू को भी अपनाओ,
बहू भी बेटी के जैसे प्यारी होती है।

प्यार व सम्मान पाना हक है इनका,
वो मायका छोड़ अपने घर आती है।
संकीर्ण मानसिकता त्याग दीजिए,
दोनों ही अपनी हैं नही पराई होती हैं।

दोनों बेटियों से समान प्यार कीजिए,
इनकी खुशी अपनों से जुड़ी होती है।
बहूबेटी में कभी न भेदभाव कीजिए,
दोनों ही दोनों कुलों का मान बढ़ाती है।

मंजू श्रीवास्तव
कानपुर (उत्तर प्रदेश)
www.womenexpress.in

नदी

श्वेत आभा वर्ण लिए, पर्वत सुता बहती।
बलखाती इठलाती, नीर निर्मल लाती।।

मदमस्त सी उतरे, घाटियों में लहराती।
जल तरंग उमंग, योवना मदमाती।।
कलकल छलछल, रागिनी स्वर सजाती।
गूँज उठे नवगीत, मन मधुर भाती।।

ढ़लाने ढ़लती हुई, झरना बन झरती।
वसुधा श्रृंगार सजे, चट्टाने चटकाती।।
अमृत समान नीर, सरिता बहे अधीरा।
देवरुपी सुरसरि, निखार वसुंधरा।।

जमीं पे गजगामिनी, ऊफनती है अपारा।
खुशियाँ लाती हजार, हरित रुप धारा।।
कानन मुख मुस्काए, पंख पंखेरु हर्षाए।
ताल तलैया भरते, जन्नत धरा आई।।

खेत लगे लहराने, फूल लगे हैं खिलने।
भ्रमर छेड़े संगीत, कलियाँ हैं शर्माई।।

ब्रह्मानंद गर्ग, सुजल
जैसलमेर (राज)।
www.womenexpress.in

जीवन एक संघर्ष

जीवन संघर्षों का ही तो दूसरा नाम है
घबराना संघर्षों से कायरों का काम है
ना मानें कभी भी हम जीवन से हार
करें समस्या पर हौंसले से प्रबल वार
रहें सदा उम्मीद के दामन पर सवार
संग अपनों के निकालें हम दिल का गुबार
रखें संग अपने परिवार रुपी पतवार
ना अटकेगी जीवन रुपी नैया फिर बीच मंझधार
कर लेंगे हम अच्छे से फिर भवसागर पार
चुनौतियों से लड़ने वालों में होगा फिर
हमारा नाम शुमार

वन्दना भटनागर
मुज़फ्फरनगर

www.womenexpress.in

मासूम दिल

तुम्हारी जुल्फ़ों की लहराती
लट जब भी चेहरे पे गिरती है,
सीने में छुपे मेरे मासूम दिल पे
ये ज़िंदगी मेहरबां होती है।

कानों के चमकते हुए झुमके
तुम्हारी हँसी की तरह यूँ खनकते हैं,
गालों के गुलाबी गुलाब
एहसास की ओंस में भीगे हुए से
लगते हैं।

तुम्हारे सुर्ख़ लबों से होते हुए
लफ़्ज़ सीधे दिल में उतर जाते हैं,
तुम्हारे चेहरे को देखते ही
बादल बेमौसम बारिश बन जाते हैं।

तुम्हारी नज़ाकत भरी नज़रों का
नज़राना जब पेश होता है,
ठीक उसी वक्त यह दिल
अपना चैनओसुकूं सब खोता है।

तुम्हारी तस्वीर जब देखता हूँ
आँखों में कई तस्वीरें
क़ैद हो जाती हैं,
वही तस्वीरें जिनके तकिये का
सहारा लेकर ये तन्हाई सो पाती हैं।

तुम्हारी दिलकश आवाज़ में
अलहदा अंदाज़ समाया है,
ख़ामोशी को बोलना भी तो
आखिर इसी ने सिखाया है।

तुम्हें याद करते ही चेहरे पर
रौनक आ जाती है,
रंजिशों से परेशान रूह को
राहत मिल जाती है।

विकास मिश्रा
गोपालगंज, बिहार
www.womenexpress.in

भारत के वीर सपूतों

हे भारत के वीर सपूतों!
अब युद्ध का बिगुल बजाओ।

शंख से रणभेरी नाद सुनाओ
शंकर का त्रिशूल उठाओ
अर्जुन का गांडीव चलाओ
या फिर गोले,बम बरसाओ
पर अपने पौरुष को जगाओ
दुश्मन को जड़ से हिलाओ
ऐसा भीषण तांडव दिखाओ।

हे भारत के वीर सपूतों!
अब युद्ध का बिगुल बजाओ।

तेरे अदम्य पौरुष के आगे
धरा काँपे, गगन हिले
जब तेरा भीषण रव जागे
लहरें उठें, भूधर डोले
जब तू अपनी बंदूकें दागे
दुश्मन की छाती जले
ऐसा प्रलयंकारी दृश्य दिखाओ

हे भारत के वीर सपूतों!
अब युद्ध का बिगुल बजाओ।

अपनी सबल भुजाएँ फड़काओ
दुश्मन को मजा चखाओ
इतिहास को पुनः दोहराओ
इनको हार का पाठ पढ़ाओ
भारत माँ की आन बचाओ
अपने सम्मान को वापस पाओ
अपना यह रौद्र रूप दिखाओ।

हे भारत के वीर सपूतों!
अब युद्ध का बिगुल बजाओ।

शिम्पी गुप्ता
सिवनी मालवा
(मध्यप्रदेश)
www.womenexpress.in

शहीदों को नमन

जो दे देते हैं जान भी अपनी
कोई मांगते हमसे मोल नहीं
क्योंकि इनकी कुर्बानी के आगे
लाखों करोड़ों का भी कोई
मोल नहीं

छोड़ घर परिवार को ये
देश की सीमा पर हैं पहरा देते
भूख प्यास को देखते नहीं ये
बस देश की रक्षा करते रहते

जब दुश्मन करते वार हैं
तो ये उनके छक्के छुड़ा देते हैं
आए चाहे मौत भी इनको
ये वीर पीछे ना पाँव करते हैं
कभी कभी ये सैनिक
लड़ते लड़ते शहीदी पा जाते हैं
फिर ये देश कौम के रखवाले
लिपट तिरंगे में आ जाते हैं

इन देश के रक्षक सैनिकों को
हम लाखों बार नमन करते हैं
इनकी इस शहादत को
युगोंयुगों तक हर कोई याद करेगा
इनकी दी कुर्बानी का कोई भी
मोल ना चुका सकेगा
जय हिन्द

करमजीत कौर, मलोट
मुक्तसर साहिब, पंजाब
www.womenexpress.in

एक्सीडेंट

पहले खबरें सुनता था सिर्फ
अब रूबरू देखता हूँ
एक्सीडेंट,
गाड़ी ज्यादा चलाने की नियति है
अक्सर सड़क पर
जमा भीड़ दिखती है,
भीड़ जब कुछ घेरे
रहती है तो मुझे
अंदाजा लग जाता है अनहोनी का,
गाड़ी थाम कर संवेदना दिखाता हूँ
क्या हुआ, कैसे हुआ,
जिज्ञासा जगाता हूँ,
प्रत्यक्षदर्शी एक बड़ी
जिम्मेदारी निभाता है
हर आने जाने वाले को
किस्सा सुनाता है,
भीड़ की दीवार के परे कुछ
नहीं दिखता
सड़क पर जमा लाल रंग नहीं उड़ता
आती जाती गाड़ियों के शोर में
भीड़ में, जाम में, हॉर्न में
विलीन हो जाता है घायल का
कराहना
कौन चिंतित है, कौन
तमाशबीन है
किसी के चेहरे पर नहीं मिलती
सम्भावना,
मुझे नहीं पता मेरे रुकने का कारण
मैं टूटा फूटा शरीर देखना
नहीं चाहता
किसी के जख्म, दर्द, आह, आँसू
आँखों का कैमरा अंदर भरना
नहीं चाहता,
मेरा मन देर होने का बहाना
बनाता है
मैं दूसरे की त्रासदी को ढोना
नहीं चाहता
मैं चल देता हूँ भावशून्य होकर
जो न दिखा उसे देखकर
भीड़ के निर्मम तमाशे को
छोड़कर।

अवतार सिंह, प्राध्यापक
जयपुर
www.womenexpress.in

ICC चेयरमैन पद से शशांक मनोहर का इस्तीफा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली शशांक मनोहर ने बुधवार को इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। मनोहर ने नवंबर 2015 में आईसीसी चेयरमैन का पद संभाला था। आईसीसी द्वारा भेजी गई एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, डेप्युटी चेयरमैन इमरान ख्वाजा अंतरिम चेयरमैन के रूप में चुनाव प्रक्रिया निर्धारित होने तक पदभार संभालेंगे। आईसीसी ने अपने बयान में कहा आईसीसी के अध्यक्ष शशांक मनोहर ने दो साल के कार्यकाल के बाद अपने पद पर आसीन हुए।

आईसीसी बोर्ड ने आज बैठक की और इस बात पर सहमति जताई कि डेप्युटी चेयरमैन इमरान ख्वाजा चेयरपर्सन की जिम्मेदारी संभालेंगे। आईसीसी के नियमों के अनुसार, मनोहर दो साल के कार्यकाल के लिए रह सकते थे, क्योंकि अधिकतम तीन

कार्यकाल की अनुमति है।

अगले अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को अगले सप्ताह के भीतर आईसीसी बोर्ड द्वारा अनुमोदित किए जाने की उम्मीद है। ऐसी प्रबल संभावना है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख कोलिन ग्रावेस उनकी जगह लेंगे। बता दें कि बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष मनोहर तीसरी बार दो साल का कार्यकाल विस्तार नहीं चाहते थे। हालांकि, हॉन्गकॉन्ग के इमरान ख्वाजा का नाम भी इस पद की दौड़ में था लेकिन समझा जाता है कि उन्हें पूर्णकालिक सदस्यों का समर्थन नहीं है। सूत्रों का कहना है कि ग्रावेस को सभी प्रमुख टेस्ट देशों का समर्थन हासिल है। बता दें कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड विदर्भ के मनोहर को लेकर हमेशा ही पेशोपेश में रहा। दरअसल, उनका रवैया कइयों को भारतीय बोर्ड के खिलाफ लगता था।

दूसरी ओर, माना जा रहा है कि इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ग्रावेस की दावेदारी के पक्ष में है। भारतीय बोर्ड से भी उनके अच्छे संबंध हैं हालांकि बीसीसीआई ने खुलकर उनकी दावेदारी का समर्थन नहीं किया है। समझा जाता है कि मनोहर की तुलना में ग्रावेस के साथ बीसीसीआई के संबंध अच्छे रहेंगे। मनोहर पर आरोप लगता रहा है कि एन. श्रीनिवासन के समय में उन्होंने भारतीय हितों की अनदेखी की।

सीरीज 'ब्रीदः इन टू द शैडोज' का ट्रेलर हुआ रिलीज

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई । 'ब्रीदः इन टू द शैडोज' एक 12 एपिसोड की एमेजॉन ओरिजिनल सीरीज है जिसमें एक हताश पिता के सफर को दिखाया जाएगा जो अपनी लापता बेटी को खोजने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। एमेजॉन प्राइम वीडियो ने आज इस बहुप्रतीक्षित सीरीज के ट्रेलर को रिलीज कर दिया है। अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा रचित और निर्मित इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर के साथ अभिनेता अभिषेक बच्चन डिजिटल में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं।

सीरीज में प्रशंसित अभिनेता अमित साध एक बार फिर से वरिष्ठ निरीक्षक कबीर सावंत की अपनी भूमिका को दोहराते नजर आएंगे। इस मूल श्रृंखला में दक्षिण भारत के प्रमुख कलाकारों में से एक नित्या मेनन भी

शामिल हैं, जो अपना डिजिटल डेब्यू इस सीरीज के साथ कर रही हैं। वही सैयामी खेर भी एक प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। भारत सहित 200 और देश व क्षेत्रों में प्राइम सदस्य 'ब्रीदः इन टू द शैडोज' के सभी 12 एपिसोड 10 जुलाई से हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसे कई भारतीय भाषाओं में देख सकेंगे।

ट्रेलर में अविनाश सभरवाल (अभिषेक बच्चन) के सफर को दिखाया जाता है, जिसमें वह व उनकी पत्नी अपनी अगवा हुई बेटी सिया के मामले में उलझे हुए हैं। न्याय की खोज में, दिल्ली अपराध शाखा के शत्रुतापूर्ण माहौल के बीच, वरिष्ठ निरीक्षक कबीर सावंत (अमित साध) मामले का नेतृत्व करते हैं। जांच का हर मोड़ बाधाओं से लैस हैं और जैसेजैसे यह दंपत्ति सच्चाई के करीब पहुंचती हैं, वैसे ही अपहरणकर्ता की असामान्य मांग उन्हें गंभीर स्थितियों में उलझा देती है।

एमेजॉन प्राइम वीडियो इंडिया की प्रमुख अपर्णा पुरोहित कहती है, 'जब से हमने इसका पहला लुक रिलीज किया है, तब से सभी को इस शो से काफी उम्मीदें हैं। हम दर्शकों को इस भावुक व मनोवैज्ञानिक थ्रिलर की हर कड़ी से रूबरू करवाने के लिए उत्साहित हैं।

ऑस्ट्रेलियाई हालात में सफल हो सकते हैं रोहितः हसी

कोलकाता। इकल हसी का मानना है कि रोहित शर्मा अपनी क्षमता और कौशल के दम पर इस साल के आखिर में होने वाले दौरे में ऑस्ट्रेलिया की मुश्किल परिस्थितियों में भी सफल हो सकते हैं। भारत को चार टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच ब्रिस्बेन में तीन दिसंबर से खेला जाएगा। इस सीरीज के दौरान रोहित पर निगाहें टिकी रहेंगी जिन्होंने पिछले साल अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पहली बार सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरकर शानदार प्रदर्शन किया था। वह पिंडली के चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों टेस्ट में

नहीं खेल पाये थे। हसी ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में दुनिया के किसी भी बल्लेबाज की परीक्षा होती है लेकिन मेरा मानना है कि उसने (रोहित) एकदिवसीय क्रिकेट में शीर्ष क्रम में काफी मैच खेले हैं और उसे अब टेस्ट मैचों में भी सफलता मिली है और इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा होगा।' उन्होंने सोनी टेन पिट स्टॉप में कहा, 'मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि उसके पास वह क्षमता और कौशल है जिससे वह वहां की परिस्थितियों में सफल हो सकता है।' हसी का इसके साथ ही मानना है कि स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर की वापसी से भारत के लिए आगामी सीरीज काफी मुश्किल होगी।

मेस्सी का 700वां गोल, बार्सीलोना को एटलेटिको ने ड्रा पर रोका

बार्सीलोना । लियोनेल मेस्सी ने अपने कैरियर का 700वां गोल किया लेकिन स्पेनिश लीग फुटबॉल के अहम मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड ने बार्सीलोना को 2.2 से ड्रा पर रोककर खिताब जीतने की उसकी उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। बार्सीलोना ने चार दौर बाकी रहते यह तीसरा ड्रा खेला।

अब वह रीयाल मैड्रिड से एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। मैड्रिड का सामना गुरूवार को गेटाफे से होगा और उसके पास पांच मैच बाकी रहते चार अंक की बढत बनाने का यह सुनहरा मौका है। मार्च में कोरोना वायरस महामारी के समय लीग रोक जाने पर बार्सीलोना की टीम रीयाल मैड्रिड से दो अंक आगे थी।

पहाड़ की चोटी पर

ना जाने क्या सोच कर
उसने मेरा हाथ कस कर पकड़ लिया
मुझे पहाड़ पर चढ़ना नहीं आता था
और ना ही चढ़ने की लालसा थी
वह पहाड़ी प्रदेश का था
मुझे पहाड़ की चोटी के रोज
सपने दिखाता
कि वहां मैं दुनिया से ऊपर उठ जाऊंगी
कि वहां बादलों के उड़न
खटोले में हम तुम सैर करेंगे
कि वहां चांद हमारी मेहमान
नवाजी करेगा
कि वहां से ईश्वर के घर आया
जाया करेंगे
उसके विश्वास की मजबूती डोर
मेरे पांवों में लिपटती गई
और पांवों में भरती गई
कोई शक्ति अनजानी
उसके साथ साथ
एक पहाड़ी से
दूसरी पहाड़ी चढ़ती रही
मेरी आंखों में
उसके बोए सपनों की
फसल को छूने
की तरंगें बनने लगी
मैंने महसूस किया
उन तरंगों की भूखी चमक
मेरे अंधेरों की घास चर रही है
उस चमक से फैली
रोशनी का अमृत पीकर
मेरी युगों की प्यास बुझ रही है
मेरे मन मंदिर में
स्वस्तिवाचन का शंखनाद
हो रहा है मैंने देखा
मेरे पांवों से गुजरती
नीचे की सभी घाटियों में
रजनी गंधा खिल उठी है
उसकी सुगंध
सर्वत्र पहाड़ी प्रदेश में
व्याप्त होकर
मेरे रक्त में घुलती जा रही है
मेरी बुझती प्राण शक्ति में
जीवन भर रहा है ।
मैं उसका हाथ थामे
चढ़ती रही ऊंची और ऊंची
लगातार,निश्चित, आनंदित
बहुत ऊंचाई पर
एक शाम सूरज गडरिया
अंधेरों की भेडें
हांकता घर लौट रहा था
मैंने कहा
कुछ थक गई हूं
रुक जाएं हम
आज रात सूरज के बरामदे में
विश्राम कर लें,
कल फिर तडके धुंधलके से
चढ़ाई शुरू कर लेंगे।
अचानक उसने मेरा हाथ छोड़
दिया और बोला
तुम अब सबसे ऊपर की चोटी
पर हो मैं जा रहा हूं
देखते ही देखते
वह नीचे उतर गया
मैं पुकारती रही
मैं रोकती रही
मैं चींखती रही
कि मत जाओ मुझे अकेली छोड़कर
कि मुझे नहीं आता नीचे उतरना
कि तुम बिन यहां नहीं
रह सकती
वह मेरी तमाम पुकारों को
अनसुना करके
लौट आया मैदानी इलाकों में
और मैं पहाड़ की चोटी पर
खड़ी हूं
बेबस, बिलखती, बेजुबान।

मीनू मदान
नवी मुंबई
www.womenexpress.in

पार होती हदें

जिसका खाना खाने में
कलेज़ा दुख रहा हो
सोचो वो अन्दर ही अन्दर
कितना रोया होगा,
जिस पुत्र को उसका ही
पिता मर जाने की
सलाह दे चुका हो और वो
अभी तक जी रहा हो
सोचो उसका हाल कैसा होगा,
जो पुत्र पिता की तेल मालिश
करतेकरते पसीने से नहा
चुका हो सोचो उसका
परिणाम कैसा होगा,
वो कैसा पुत्र है जिसे
अपने आप को प्रयोग
करने तक का अधिकार
न हो और दूसरों के काम
और मदद के लिए सदा
तत्पर्य हो सोचो उसका
साहस कैसा होगा,
जो कभी पिता को लौटकर
जवाब न देना चाहता हो
उसे कठिन यातनाओं के
साथ पाला जा रहा हो
सोचो उस पर क्या बीत रहा होगा,
वो इतनी यातना भरा
जीवन जी रहा है कि
उसकी हैसियत घर में
नौकर से भी बदतर है
सोचो उसके दिल पर
कितनी आवाजों का
बोझ होगा,
कितनी और हदें पार होगीं

शिवम अन्तापुरिया
उत्तर प्रदेश
www.womenexpress.in

जान है तो जहान है

ना जाने कहां से आया संकट
ये सोचकर हर कोई हैरान है।
परदेस से आया सूक्ष्म जीव
अब बन गया भयंकर तूफान है

आज के इस मुश्किल दौर में
मचा चारों ओर यही कोहराम है
धन दौलत नहीं किसी काम के
अब बस, जान है तो जहान है।
महामारी का विकराल दानव
लील गया अनगिनत जान है।
रोज गिरती लाशों से अब तो
अटे पड़े सारे ही शमशान हैं।

इस धरती पर हर एक प्राणी
इसके खौफ से परेशान है।
आज समझा वो सही मायने में
कि अब जान है तो जहान है।

कुछ नियमों का पालन कर
हमें ही रोकना ये तूफान है।
घर पर रह कर रहें सुरक्षित
लॉकडाउन ही इसका निदान है
महामारी को मिटाने के लिए
कुछ दिन और रहना सावधान है।
स्वास्थ्य ही है अनमोल धन
और ये जान है तो जहान है।

पवन सोलंकी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

उनका बतियाना रात भर

सुना है तुम सबने कभी
चांद सितारों को बतियाते?
गौर से सुनना.. बात करते हैं वो
बात करते हैं वो...
किरणों की, चहूं ओर फैलकर
उदासियों को नकारती है वो
और.. सकारात्मक ऊर्जा से
भर देती है, हर उस सोच को
जो अंधियारे को ही....
अपना जीवन आधार मान कर
निराशाओं को गले लगा लेते हैं
बात करते हैं वो.. हवाओं की
जिसमें फैली खुशियों की महक
जब हौले हौले सांसों में घुलती है
तो जीने की एक नयी उमंग
फिर से जन्म लेने लगती है
बात करते हैं वो पानी की...
पानी का बहना, निरंतर
बढ़ते रहने का प्रतीक है
और.. प्रेरित करता है हमें... कि
जीवन का ये अनमोल सफ़र
हताश हो कर कभी न रूके
वो बात करते हैं पेड़ों की
सुनों क्या कहते हैं, कहते हैं
लगन और मेहनत के बल पर
अपने किरदार को सफलता के
उस शिखर तक ले जाओ...
जहां से, उपलब्धियां...
झोली भर भर के झरे, सुनों
समझो.. उनके मूक इशारों को
बतियाते हैं वो रात भर....

निधि भार्गव मानवी
गीता कालोनी, ईस्ट दिल्ली।
www.womenexpress.in

हार कहाँ हमने मानी है

हार कहाँ हमने मानी है
दुशासन हो या रावण हो
सबसे युद्ध की ठानी है
हार कहाँ हमने मानी है
सदियों से अत्याचार सहे हैं
निर्मम बलात्कार सहे हैं
रूह तक छलनी हो गयी है
नीलाम हस्ती हो गयी है
अब लिखनी नयी कहानी है
हार कहाँ हमने मानी है
अपमान का विष पियेंगे नहीं
अग्नि परीक्षा देंगे नहीं
प्रेम बहुत बरसाया है
हर गलत को सही बताया है
अब विरोध की दुनिया बसानी है
हार कहाँ हमने मानी है
हमें अब कोई हरा नहीं सकता
यूँ ही कोई झुका नहीं सकता
अधिकारों को छीन कर लेंगे
संघर्षों में नहीं मौन रहेंगे
आने वाली पीढ़ियों को
एक नई महाभारत सुनानी है
हार कहाँ हमने मानी है

माधुरी शर्मा, मधु
(व्याख्याता हिंदी)
भीलवाड़ा, राजस्थान
www.womenexpress.in

मैं खड़ा हूं हिमालय सा

मैं खड़ा हूं हिमालय सा...
बनकर प्रहरी
कैसा भी दुश्मन हो
ना टिक सकेगा सामने मेरे
आज मैंने सर पर कफ़न
बांधा है मां के लिए मेरी
मोहब्बत बहुत है मुझे अपनी
सरजमी से
यही सांसे बुलाएगी यही
धड़कन बुलाएगी
जब भी इस दिल से
आवाज आएगी
ए मां तेरे लिए
आज फिर उड़ गई नींद मेरी
यही सोच कर
मेरे सर जमी पर कोई पापी
कदम न रख सके
मिट जाऊं फिर भी इसका गम नहीं
तेरे खातिर समर्पित कर दूं जां
भी मेरी
पर कामयाब ना होने दूंगा
इनके नापाक इरादों को मैं
कोई छू ना सके तेरे आंचल
को भी
इन कायरों को तो धूल चटाना
ही पड़ेगा
जिस ने उठाया आंख मेरे सर
जमीन के तरफ
उसका सर झुकाना ही पड़ेगा
भूल गए हैं ये है वीरों की भूमि है
यहां कणकण में बसती है वीरता
पीठ पीछे वार करना हमने
सीखा नहीं
है अगर दम तो आ जाओ
आमने सामने
मिटा देंगे तुम्हारा नामोनिशान
इस सरजमी से ही
हारना तो हमने सीखा ही नहीं
हार क्या होता है उसका मजा
चखा देंगे तुम्हें
वक्त है संभल जा
नहीं तो रोएगा तु अपनी इस
नादानी के लिए
क्योंकि मैं खड़ा हूं हिमालय सा।

अर्चना होता
(ओडिशा)।
www.womenexpress.in

पुष्प

पुष्पों की भी, क्या जीवन बनाई?
खुदको मिटाकर, समर्पित कर
इसने दुनिया को है सजाई
कभी कली बनकर, कभी
परिपक्व बन।
कली जब होती, यौवनावस्था
पाने को आतुर
पर ज्यों बने, परिपक्व पुष्प
देख माली को, हताश हो जाती
निहारती निज, जननी को
अतीत को, झाँक अपने
व्यथित हो जाती।
इतनी आकर्षक, कि हर एक को
निज ओर, सबों को खींच लाती
भंवरों को भी, देखो
निज यौवन दिखाकर, मंदमंद
मुस्काती
निज अनुसार ही देखो भंवरों
को नचाती
पर समर्पण ऐसा कि, खुद जिसपर
मरती, उसपर फ़ना हो जाती।
कितना कुछ, सिखाने ही
यह, कली से परिपक्व
और फिर मुरझाने तक की,
यात्रा तय कर जाती
फिर जीवन के, शाश्वतता को
धीरे से, उसका गुह्य झलक
दिखाती।
साथ रहकर, पुष्पगुच्छ बन
और सुंदर बन जाती
रंगबिरंगे, भिन्न जाति के साथ मिल
मनमोहक, और खूबसूरत बन जाती
संदेश देती
एकता, अखण्डता, भेदभाव
मिटाकर मानव
पुष्पगुच्छ, बन जाओ
सबमिलकर,और मनमोहक
सुंदर जीवन पाओ।
पुष्पों से, लो शिक्षा
शाश्वत, विनाशिता का
कभी अखण्डता, तो कभी
एकता का
जड़ से, ना हम हताश होवै
सीख ले और बढ़ते जाए
यही चिर सत्य है जीवन की
पुष्प हरदम, यही बताती।

पूजा कुमारी साव
पूर्व वर्धमान, पश्चिम बंगाल
www.womenexpress.in

मायका और ससुराल

दोनों हैं तुल्य
नारी जीवन में
दोनों ही बहुमूल्य
मायका वो है ,
जहां बचपन बिताया
शादी के बाद,
घर ससुराल का सजाया
मां बाप के जैसे,
सास ससुर का प्यार
आशीर्वाद से उनके,
खुल जाए किस्मत के द्वार
भाई समान मिलता,
देवर का रिश्ता
दोस्त बन भाभी का
करता ससुराल में रक्षा
बहन समान,
प्यारी नखरीली नंद
भाभी हैं लड्डू,
तो वो है कंद
प्यार करो दोनों से,
बिल्कुल एक समान
झोली भरे खुशियों से और
जीवन बने आसान

नीता तायल
कासगंज ,उत्तर प्रदेश
www.womenexpress.in

उम्मीदों की नई भोर

महलों में रहकर भी उर्मिला
अकेली थी,
देवत्व पाकर भी सीता आग
पर चली थी,
खो देना और पा लेना ही सब
कुछ नहीं होता
ज़िन्दगी हर पल इक नई पहेली थी।
जाने वाले के मन में न जाने
क्या दुहेली थी,
दिए में जितना तेल था लौ
उतनी ही जली थी,
पर ज़िन्दगी का सबक यूँ छोड़
वह गया,
हार से पहले जीत भला किसे
मिली थी ?
मैं उम्मीदों का दामन छोड़
चली थी,
ज्यों निराशा की गोद में ही
पली थी,
जब सूरज को बदली से
निकलते देखा,
मेरी उम्मीदों की फिर नई भोर
खिली थी।

तरुणा पुण्डीर, तरुनिल
शिक्षिका व लेखिका
साकेत, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

ऐ नारी तुझे उठना होगा

ऐ नारी तुझे अब उठना
ही होगा,
अपने अधिकारों के लिए तुझे
लड़ना ही होगा,
कब तक सहेगी तू यूँ बंदिशें
जिल्लत की,
अपने हक़ की खातिर तुझे सर
ऊँचा करना होगा।
ऐ नारी तू अबला नहीं है सबला,
इस बात को क्यों भूल जाती है,
मैं ये नहीं कहता कि तू कर बगावत,
मगर अपने अधिकार के लिए
आवाज तो उठा सकती है।

कभी बनकर जननी तो कभी
बनकर भार्या,
तू पुरुष समाज की नित सेवा
करती है,
क्या तुझे वो दर्जा मिला कभी,
जिसके लिए तू सदियों से
तरसी है।

फिर से न बिछे एक और द्यूत
की बिसात,
फिर से न हो एक और
द्रौपदी नीलाम,
फिर न हो कोई धृतराष्ट्र अपने
पुत्र मोह में डूबा,
फिर कोई भीष्म न हो अपनी
प्रतिज्ञा में बंधा।

ऐ नारी कब तक जीती रहेगी तू,
उस बाँसुरी वाले कृष्ण के सहारे,
हर बार तो नहीं आएगा वो फिर से,
कपटी कौरव दल से तेरी
लाज बचाने।

चुप मत बैठ अब तू उठ ऐ नारी,
बहुत सह लिया तूने पुरुषों
की मनमानी,
तेरी तो काया भी उसी रब
ने है बनाई,
तो फिर क्यों जी रही है तू
बनकर पराई।

ऐ नारी अब तुझे उठना
ही होगा,
अपने अधिकारों के लिए तुझे
लड़ना ही होगा।

बिप्लव कुमार सिंह
फ़रीदाबाद, हरियाणा।
www.womenexpress.in

मेरे दर्द

मेरे दर्द का एहसास
अब नहीं रहता कोई
मेरे आसपास..

90 दिन से ऊपर हो गया
इन चार दीवारों में
कैद हो गया..

घर वालों की भी याद सताती
हल्की सी आंख नम
मेरी हो जाती..
फिर अपने आप को
यूं समझाता
हर दुख के बाद जरूर
सुख आता..

ऑफिस के काम ने थोड़ा मन
है बहलाया ,
अपनी लेखनी को चलाने का
अलग ही मजा आया...

अब भावों को कलमबद्ध ,
करने का एक सलीका
आ गया,
शायद मेरे दर्दों को छुपाने का
तरीका आ गया....

सोनू अवस्थी
थुरल पालमपुर
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
www.womenexpress.in

धुंआ धुंआ

बस तेरी कहानी में अब
यही बाकी बात है
एक तरफ उठता धुंआ एक
तरफ राख है
किया जो जीवन भर तूने
उसका यही लेख है
मृत्यु उपरांत पता लगे कौन
गलत कौन नेक है
कितनो को तेरे चले
जाने का आघात है
बस तेरी कहानी में अब
यही बाकी बात है
एक तरफ उठता धुंआ एक
तरफ राख है

चाहे कब्र से जाओ या
शमशान से सो जाओ
कहाँ जाती है मंजिल कोई
आकर तो बताओ
कैसे होती है सुबह यहाँ कैसे
यहाँ होती रात है
जाना सत्य है चाहे तेरी
कैसी भी जात हैं
बस तेरी कहानी में अब
यही बाकी बात है
एक तरफ उठता धुंआ एक
तरफ का राख है ।।

महेश राठोर सोनू
गांव राजपुर गढ़ी
मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
www.womenexpress.in

एक नजर

सांवली कहकर बीवी की ली जान, 22 साल बाद फांसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के रहने वाले एक शख्स ने अपनी ही बीवी की जान ले ली। बीवी के सांवली होने के कारण वह उसे काफी मारापीटा करता था। उसके घरवाले भी बहू को तरहतरह से प्रताड़ित करते थे। अब कलकत्ता हाई कोर्ट ने पत्नी की जान लेने वाले शख्स की फांसी की सजा बरकरार रखी है। साथ ही मृतका की सास को भी उत्पीड़न के मामले में दोषी पाया गया है। दोषी पाए गए मजिदुल मियां की शादी सात हत्या के सात महीने पहले ही हुई थी। जून 1998 में पीड़िता ने कूच बिहार में स्थित अपने ससुराल वाले घर में पंखे से लटककर जान दे दी थी। कोर्ट ने यह भी पाया है कि पीड़िता के गरीब पिता ने मजिदुल को दहेज में 11 हजार रुपये, चांदी के गहने, एक साइकल और कई और महंगे सामान दिए थे।

सौ करोड़ में होगा बौद्धस्थली सारनाथ का कायाकल्प

योजना को अंतिम रुप देने के लिए मंडलायुक्त ने किया अधिकारियों के साथ मंथन

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। भगवान बुद्ध की उपदेश स्थली सारनाथ का कायाकल्प होगा। इसके लिए प्रशासन ने तैयारियां शुरु कर दी है। तकरीबन 100 करोड़ की लागत से वर्ल्ड बैंक के अधीन प्रो टूअर डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत यहां सभी विकास कार्य होंगे। बुधवार को मंडलीय सभागार में आयोजित बैठक के दौरान मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने जनपद के संबंधित मातहत अधिकारियों के साथ मीटिंग कर योजना को अंतिम रुप दी।

अग्रवाल ने बताया कि सारनाथ में बसों व हल्के वाहनों की पार्किंग हेतु जमीन की तलाश के लिए एसडीएम, विकास प्राधिकरण, पर्यटन एवं पुरातत्व विभाग के अधिकारी को एक सप्ताह में क्षेत्र में निरीक्षण कर जमीन के प्रस्ताव तैयार कर रिपोर्ट उन्हें प्रषित करने

को कहा गया है। इसके लिए यूपी पर्यटन मंत्रालय ने वर्ल्ड बैंक सहायतित पर्यटन योजना को हरी झंडी दे दी है। विकास कार्य के दौरान चैखंडी से सारनाथ रेलवे स्टेशन तक पाथवे का निर्माण होगा। प्रोमिनाड पाथवे के निर्माण म्यूजियम, सारनाथ चैराहा, रेलवे स्टेशन, सुहेलदेव तिराहा क्षेत्र में होंगे। सारनाथ रेलवे स्टेशन पर प्रवेश के मार्ग पर बुद्ध द्वार का निर्माण होगा जिससे स्टेशन आने वाले पर्यटकों को स्टेशन पर ही बुद्ध संग काशी की झलक दिखेगी। इसके अलावा सारनाथ में स्थित 26 मंदिरों के मार्ग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इस पूरे बौद्ध क्षेत्र में तीन प्रवेश द्वार बनेंगे जिनमे से एक द्वार अभी तैयार भी है। अग्रवाल ने बताया कि सारनाथ म्यूजियम और उसके आप पास के इलाकों को भी स्मार्ट और हाईटेक बनाया जाएगा। इस दौरान ऑटोमेटिक वोलडीश के साथसाथ स्ट्रीट पेडेस्ट्रियन के निर्माण पर बल दिया गया। सारनाथ का डियर पार्क सौंदर्यीकरण एवं विस्तार किए जाने के साथ ही बच्चों को झूलने के लिए झूला आदि भी लगाया जाएगा। इसके अलावा संपूर्ण सारनाथ परिक्षेत्र में पर्यटको की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए सीसीटीवी कैमरा, वाईफाई व एलईडी स्क्रीन का निर्माण होगा।

पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर के बढ़े दामों के विरोध में यूथ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

(ओमप्रकाश गुप्ता/वूमेन एक्सप्रेस)

अमृतसर । पेट्रोल डीजल और गैस सिलेंडर के दामों में लगातार बढ़ौतरी के विरोध में बुधवार को यूथ कांग्रेस के सीनियर नेता राजीव छाबड़ा की अगुवाई में भंडारी पुल पर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पार्षद व वरिष्ठ यूथ नेता विकास सोनी ने भी हिस्सा लेकर केंद्र के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यूथ कांग्रेस द्वारा किए गए इस अनोखे प्रदर्शन में गधों पर मोदी व धर्मेंद्र प्रधान के मुखोटे लगाए गए और कार को रस्सी से खींचा गया।

इस दौरान विकास सोनी और राजीव छाबड़ा ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर केन्द्र की सरकार आम जनता पर कहर बरपा रही है। एक तरफ कोरोना काल चल रहा है जिससे जनता पहले ही परेशान है। और इस पर पेट्रोल डीजल तथा रसोई गैस के दामों को बढ़ाकर केंद्र ने जनता की

कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गरीब को एक तरफ जहां राहत पैकेज का ड्रामा रच रही है तो दूसरी तरफ महंगाई करके जनता की जेब पर डाका डालती है। केन्द्र की दोहरी नीति खतरनाक है। पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने से हर चीज महंगी हो जाएगी जिससे जनता का रोजी रोटी कमाना भी मुश्किल हो जाएगा। इस मौके पर यूथ कांग्रेस के महासचिव बलप्रीत सिंह रोजर, मोहित बब्बर, वीवान सिंह, रवि शर्मा, मनी, रवि प्रकाश बबलू, गौरव भल्ला, गुरप्रीत सिंह, लकी, रवि प्रकाश आशु, तरुण अरोड़ा, लवप्रीत सिंह, सुरेंद्र, चेतन सहदेव, रोहित शर्मा, संदीप मिट्ठू व कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीजल- पेट्रोल की मूल्यवृद्धी के खिलाफ काला छाता संग कांग्रेस का प्रदर्शन

(प्रभुनाथ शुक्ल/वूमेन एक्सप्रेस)

भदोही । डीजल व पेट्रोल के मूल्यवृद्धी को लेकर काग्रेस पार्टी की राष्ट्र ब्यापी धरना प्रदर्शन के अहवाहन पर आज भदोही तहसील पर काग्रेसियो ने काला छाता हाथो मे लेकर धरना प्रदर्शन किया और मूल्यवृद्धी को वापस लेने की मांग राष्ट्रपति को प्रेषित भदोही तहसीलदार को मागंपत्र दिया तथा गिरफ्तार किये गये अल्पसंख्यक काग्रेस के प्रदेश चेयरमैन शहनवाज आलम को रिहा करने की भी मांग की ।

प्रदर्शनकारियो ने कहा अच्छे दिन लाने और मंहगाई को कम करने के वायदे के सत्ता मे आयी बीजेपी सरकार पिछले तीन सप्ताह से लगातार डीजल व पेट्रोल के दामो मे वृद्धी कर रही है। और यह उस समय हो रहा है । जब अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मे कच्चे तेलो का कीमत काफी कम है। इसको लेकर देश की जनता गुस्से मे है। बढ़ती हुई तेल के दामो का असर किसानो व गरीबो पर पड रहा है।तेल के कीमत बढ़ने से सभी सामानो के दाम बढ़ रहे है।और मंहगाई भी तेजी से बढ़ रही है। अन्य वक्ताओ ने कहा कि जनता की आवाज़ को शासन तक पहुचाने के लिए पार्टी के नेता व

कार्यकरता आन्दोलनरत है।ऐसे मे पुलिस प्रशासन आवाज़ को दबाने के लिए अल्पसंख्यक काग्रेस के प्रदेश चेयरमैन शहनवाज आलम को फर्जी मुकदमा दर्ज कर जेल मे बन्द कर दिया है।

जनपद के काग्रेस कार्यकरता इस धरना प्रदर्शन के माध्यम से गिरफ्तार किये गये प्रदेश माईनार्टी चेयरमैन को तत्काल रिहा करने की मांग करती है। धरनाप्रदर्शन मे मुख्यरूप से मुशीर इकबाल,कमर मलिक,सुरेश चन्द्र मिश्रा, संजीव दूबे, करमचन्द बिन्द, काशी नाथ, स्वालेह अंसारी, डा निजामुद्दीन ,परवेज अंसारी, वसीम अंसारी, नाजिम शेख, सुरेश चौहान, मनोज गौतम, नूर आलम, सगीर अहमद,एबरार अहमद, उपेन्द्र भारती, विमल पाण्डेय, सौरभ दूबे, देवेश कुमार, लाल मोहम्मद आदि मौजूद थे

केक काटकर चिकित्सक दिवस मनाया गया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

जयपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के मौके पर आज राजधानी के निकटवर्ती ग्राम कुकस स्थित हीरो मोटरकोर्प जयपुर के चिकित्सा विभाग में केक काटकर चिकित्सक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. दिव्यस चौहान, बलवान सिंह, अनिल राव, ब्रह्मा मुरारी, दीपिका बोरा एवं अन्य नर्स स्टाफ उपस्थित थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा की डॉक्टर समाज में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस समय कोरोना महामारी से बचाव में डॉक्टर अपनी जान की परवाह किए बगैर देश सेवा में लगे हुए है ।

राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने किया 'संचारी रोग नियंत्रण अभियान' के द्वितीय चरण का शुभारम्भ

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच जिला स्वास्थ्य समिति बहराइच के तत्वावधान में जनपद बहराइच में 01 से 31 जुलाई 2020 तक आयोजित होने वाले ''संचारी रोग नियंत्रण अभियान'' के द्वितीय चरण के शुभारम्भ अवसर पर अभियान के प्रति आमजन में जनजागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से मा. राज्य मंत्री, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण उत्तर प्रदेश अतुल गर्ग ने सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड, सदर विधायक पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, विधायक बलहा सरोज सोनकर, जिलाधिकारी शम्भु कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द चौहान, नगर मजिस्ट्रेट जय प्रकाश, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश सिंह, महाराजा सुहेल देव स्वशासी राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. अनिल के. साहनी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. डी.के. सिंह व अन्य अधिकारियों एवं संभ्रान्तजनों की मौजूदगी में महिला चिकित्सालय परिसर से ''संचारी रोग नियंत्रण अभियान रैली'' में सम्मिलित सारथी वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्य

मंत्री गर्ग ने कहा कि संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित एवं सही उपचार प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गर्ग ने कहा कि मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा वर्ष 2019 की भांति वर्ष 2020 में भी संचारी रोगों की रोकथाम हेतु प्रभावी उपाय अपनाते हुए व्यापक अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इस क्रम में वर्ष 2020 में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का द्वितीय चरण प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में 01 से 31 जुलाई 2020 तक चलाकर पूर्व में माह मार्च 2020 में संचालित की गयी सभी गतिविधियों को पुनः संचालित किया जायेगा। गर्ग ने कहा कि संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाने के लिए आवश्यक है कि सभी सम्बन्धित विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए लोगों को संचारी रोग तथा इसके बचाव के सम्बन्ध में जागरूक करें।

परीक्षा देने गई छात्रा के साथ अध्यापक ने की छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

अजमेर राजस्थान के अजमेर जिले में शिक्षा के मंदिर में पढ़ाने वाले एक अध्यापक की काली करतूत सामने आई है। नाबालिग छात्रा ने अध्यापक के खिलाफ क्रिश्चियन गंज थाने में छेड़छाड़ का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित छात्रा कक्षा 10 की छात्र है।

छात्रा ने बताया है कि वह वैशाली नगर स्थित महात्मा गांधी स्कूल में परीक्षा देने गई थी। परीक्षा खत्म होने के बाद जब वह स्कूल से बाहर निकली तो वहां पर मौजूद मॉडल स्कूल के अध्यापक नरेश प्रजापति ने उसे घर छोड़ने की बात कही। जिस पर छात्रा ने उसे मना कर दिया। लेकिन आरोपी अध्यापक उसे जबरन गाड़ी पर बैठाकर अपने घर ले गया और छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। इस दौरान पीड़ित छात्रा वहां से किसी तरह से भागने में सफल रही।

जिला कारागार गौतमबुद्धनगर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

(नीरज पांडेय/वूमेन एक्सप्रेस)

नोएडा। जनपद गौतम बुद्ध नगर में उच्च न्यायालय, इलाहाबाद एंव उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में एंव कोरोना संक्रमण के अन्तर्गत तथा लॉकडाउन के तहत जारी निर्देश एंव आदेशों के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ,गौतमबुद्धनगर द्वारा जिला कारागार में निरूद्ध बंदियों के मध्य विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन न्यायालय से आभासी व्यवस्था/वीडियों कान्फ्रेंसिंग द्वारा किया गया। उक्त शिविर के माध्यम से बंदियों को सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क का उपयोग करना, साफ सफाई का ध्यान रखना, बैरक एंव कपडों की नियमित सफाई करना, नियमित रूप से सेनेटाइज कराना, थर्मलस्केनिंग कराना आदि विषयों सतर्कता बरतने एवं उनके विधिक अधिकारों व कर्तव्यों के संबंध में जानकारी दी गई। उक्त शिविर में उपस्थित विपिन मिश्र, अधीक्षक

सत्सप्रकाश, जेलर ए0के0 सिंह जेलर जिला कारागार गौतमबुद्धनगर को बंदियों को कोरोना संक्रमण के बचाव के उपायो हेतु मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद/शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

राज्य मंत्री अतुल गर्ग ने किया एल.ई.डी वैन व विभागीय पण्डालों का अवलोकन

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच ''संचारी रोग नियंत्रण अभियान'' के द्वितीय चरण के शुभारम्भ अवसर पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के लिए सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से भेजे गये एल.ई.डी. वीडियो वैन तथा ग्राम्य विकास विभाग, महिला कल्याण एवं बाल विकास तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाये प्रदर्शनी स्टालों का भी निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाये गये स्टाल पर बच्चों को पोलियो की दवा भी पिलायी।

इस अवसर पर सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड, सदर विधायक

पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, विधायक बलहा सरोज सोनकर, जिलाधिकारी शम्भु कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द चैहान, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश सिंह, महाराजा सुहेल देव स्वशासी राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. अनिल के. साहनी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. डी.के. सिंह, कोविड19 नोडल डॉ. ओ.पी. पाण्डेय मौजूद रहे।

कोरोना काल के अनलॉक-2 में जिला कांग्रेस प्रधान जतिंदर सोनिया ने 500 परिवारों को बांटी राशन किटें

अमृतसर अनलॉक 2 में पंजाब सरकार की मिशन फतेह मुहिम के तहत बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी अमृतसर शहरी की प्रधान जतिंदर सोनिया की अध्यक्षता में हाल बाजार स्थित कांग्रेस भवन में शहर की विभिन्न वार्डों के लगभग 500 परिवारों को राशन किटें बांटी गई।इस मौके पर सोनिया ने कहा कि दुनिया सहित भारत में कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नही ले रहा है। जिस कारण कारोबार का बुरा हाल हो गया है। कारोबार को पटरी पर लौटने में समय लगेगा जिसके चलते पंजाब के हर जिले में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा जरूरतमंद लोगों के घर तक राशन पहुंचाया जा रहा है। हांलाकि लॉकडाउन के शुरु होते ही पंजाब सरकार ने हर जरूरतमंद व्यक्ति तक लगातार राशन पहुंचा रही है और इसी क्रम को जारी रखते हुए अनलॉक 2 के शुरुआत में ही आज उन्होंने लोगों को राशन की किटे बांटी है। इस संकट की घड़ी में जरूरतमंद की सेवा ही उनका धर्म है। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा शुरू किए गए मिशन फतेह के तहत आत्म निर्भर भारत स्कीम के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों और मजदूरों को निशुल्क अनाज का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कोविड19 पर फतेह हासिल करने के लिए हर व्यक्ति को समाज के प्रति अपनी जिम्मेवारी निभानी होगी। घरों से बाहर जाते समय सामाजिक दूरी व मास्क का प्रयोग किया जाए। समयसमय पर हाथों को धोना बहुत जरूरी है। हमारे संयुक्त प्रयास से ही कोराना के खिलाफ जल्द जंग जीती जा सकती है। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष रामपाल सिंह, हरिदेव शर्मा, पंकज चौहान, सुरिंदर किवलानी, नरिंदर लव, राणा पवन कुमार, रवि शंकर, गुरदेव बाऊ, बलराज मेहरा, जोगिंदर नाथ पूरी, उषा शर्मा, तृपता देवी, कांता, मंजू आदि उपस्तिथ थे।

भदोही काशी और प्रयाग के मध्य का मेरुदंड हैः आरएन त्रिपाठी

(प्रभुनाथ शुक्ल/वूमेन एक्सप्रेस)

भदोही। भदोही के 27 वें स्थापना दिवस पर 'हमार भदोही' द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा आयोग के सदस्य व काशी हिन्दू विश्वविद्यालय समाजशास्त्र के प्रोफ़ेसर आरएन त्रिपाठी ने कहा की भदोही जनपद संभावनाओं से परिपूर्ण है।

काशीप्रयाग के मध्य का सेतु और मेरुदंड है। इस जनपद पर तीन तरफ से माँ गंगा की कृपा है। यहाँ कालीन का कोई भी कच्चा माल नही होता, लेकिन अपने श्रम से करोड़ो का कालीन का निर्यात होता है। उन्होंने भदोही की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा की यहा की कालीन का उल्लेख अरेबियन नाइट्स में मिलता है। उन्होंने कहा की कोरोना के प्रकोप के बाद भदोही अपनी सृजनशीलता से अपनी गौरव गाथा फिर से लिखेगा। भदोही वासियों से कहा की विकास आलोचना नही से सहभागिता से होता है। सतत मिलजुलकर भदोही को आगे ले जाये। कार्यक्रम में कालीन निर्यात संवर्धन परिषद् के अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने कहा की भदोही का कालीन के व्यापार में समस्यायों को दूर करने के लिए परिषद् लगातार प्रयास कर रही है। समस्या का समाधान सभी के

सहयोग से दूर हो सकता है। भवन निर्माण बोर्ड के सदस्य राजनाथ ने कहा की जनपद में भवन निर्माण।से जुड़े कारीगर इस योजना से जुड़ जाएं इस योजना में पंजीकृत हो जाये। इसमें सरकार द्वारा अनेक योजनाये चल रही जिसका लाभ उन्हें मिल सकेगा।

कालीन निर्यातक रवि पाटोदिया ने जनपद में कोरोना पर सावधानी पूर्वक ही रह अपने कार्य को आगे बढ़ाने के लिए कहा की भदोही लगातार विकास कर रहा है लेकिन इसे और तेज करने की जरूरत जो मिल जुलकर ही किया जा सकता है। कालीन तकनीकी संस्थान के निदेशक आलोक जी ने कहा की कालीन उद्योग के विकास में भदोही का विकास निहित है।

यह उद्योग जितना बढ़ेगा उतना हो लोगो को रोजगार मिलेगा। संस्थान कालीन उद्योग के लिए बेहतर मानव संशाधन देने का सतत प्रयास कर रहा है। गाजीपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य और ज्ञानपुर केएनपीजी में दो दशक से अधिक कार्यरत रहीं प्रो. सविता भारद्वाज ने भदोही के शिक्षा की स्थितियों का अध्यन प्रस्तुत किया, यहां उच्च शिक्षा में तकनीकी को बढ़ावा देने की जरूरत है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद् के प्रशासनिक समिति के सदस्य उमेश गुप्ता ने मुन्ना ने भदोही के रुकी हुई परियोजनाओं को जल्द पूरा करने की मांग की।

वन महोत्सव पर डीएम ने पौधारोपण कर दिया वन संरक्षण का संदेश

वृक्षारोपण के लिए मनरेगा श्रमिको व ग्रामीण महिलाओं को पौधा डीएम ने सौंपा

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। वृक्ष इंसान की जरूरत है और जीवन का आधार भी। आदिकाल से हीं पर्यावरण संरक्षण को महत्व दिया गया है। जनमानस में भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता आ गई है।

लोग पेड़पौधों की अहमियत को समझ रहे है। महिलाएं भी इस पुनीत कार्य में बढ़चढ़कर शिरकत कर रहीं है। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा ने वन महोत्सव सह सघन पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। इस मौके पर उन्होंने वृहद वृक्षारोपण के तहत नेशनल हाईवे मार्ग की दोनों तरफ 7720 पौधों का पौधारोपण किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि वन संपदा मानव जीवन का आधार है। इसके भले हीं कई आयाम हो सकते है। वनों की समृद्धि में हीं देश की समृद्धि निहित है। कहा कि हाल के दशकों में वनों की हुई अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण पर खतरा और भी गहरा हो गया है। जो हम सबके लिए चिंता की बात है। इस खाई को भरने के लिए में अधिकाधिक पौधों की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि जहां पेड़ पौधों, वनों कि कमी होती हैं, वहां पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाता है

और लोगों का जीना दुभर हो जाता है। इसलिए हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित होने की आवश्यकता है। कहा कि हमें लोगों मे जागरूकता पैदा करना है, ताकि लोग कमसेकम एक पौधा लगाए और उसकी परवरिश करें।

ये हम सभी का कर्तव्य है। वन विभाग द्वारा विकासखण्ड काशी विद्यापीठ के बेटावर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर कराये जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी जिलाधिकारी ने शिरकत की। कार्यक्रम में आम के पौध का रोपण करते हुए उन्होंने वन महोत्सव के दौरान अधिक से अधिक पेड़ लगाने को कहा।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रभागीय वनाधिकारी वाराणसी महावीर कौजालगी, उपप्रभागीय वनाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी काशीविद्यापीठ व प्राथमिक विद्यालय बेटाबर के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं ग्राम प्रधान व सृजन सामाजिक न्यास के संरक्षक अनिल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत 600 अमरूद, 500 आंवला, 500 सागौन के पौध मनरेगा श्रमिकों एवं ग्रामीण महिलाओं को वितरित किया गया। कार्यक्रम के अनुसार वन महोत्सव के प्रथम दिन जनपद वाराणसी के सभी 44 गंगा ग्रामों में पौधरोपण अभियान चलाकर कुल 20,000 पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अर्जुन, आंवला एवं सहजन महत्वपूर्ण औषधीय प्रजाति के वृक्ष हैं जो महिलाओं एवं बच्चों के कुपोषण दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए वृक्षों का विशेष महत्व है। वर्तमान में बरसात के मौसम के दौरान पौधारोपण किए जाने से शतप्रतिशत पौधे लग जाएंगे।

उन्होंने बताया कि एक सप्ताह के अंदर जनपद में विशेष अभियान चलाकर नेशनल हाईवे मार्ग के दोनों तरफ सहित अन्य स्थानों पर बृहद वृक्षारोपण सुनिश्चित कराया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को नामित भी किया गया है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

कोरोना पर नियंत्रण के बाद ठीक हो जायेगी भारतीय अर्थव्यवस्था: कुमार

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने विश्वास व्यक्त किया है कि भारत की अर्थव्यवस्था कोविड19 महामारी पर नियंत्रण के बाद ठीक हो जाएगी। श्री कुमार ने नीति आयोग और रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट (आरएमआई) द्वारा आज 'स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था की ओर: भारत की ऊर्जा और गतिशीलता क्षेत्रों के लिए कोविड19 के बाद अवसर रिपोर्ट' को जारी करने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत लोकतांत्रिक संस्थान नीतिगत स्थिरता को बढ़ावा देते हैं। उनका कहना है कि जारी आर्थिक सुधारों को यदि अच्छी तरह से लागू किया जाता हैतो देश की विकास दर अन्य समकक्ष देशों से आगे रहेगी। इस मौके पर नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा भारत के आर्थिक सुधार और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का एक प्रमुख संवाहक होगी। उन्होंने कहा कि इस नई परिस्थिति में देश और उद्योग को अहमियत दिलाने के लिए यह देखना होगा कि हम अपने घरेलू नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ कैसे उठाएं। हमने ऐसे विशिष्ट कार्यों की सिफारिश की है जिससे भारत चार अहम आर्थिक क्षेत्रों में से दो परिवहन और बिजली क्षेत्र में फिर से जान डाल सकता है और मजबूत बनकर उभर सकता है।

सेल ने रेलवे को आर 260 ग्रेड की पटरियों की आपूर्ति शुरू की

नई दिल्ली। भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने रेलवे को अधिक दबाव सहन कर सकने वाली आर260 ग्रेड की वैनेडियम अलॉयड स्पेशल ग्रेड प्राइम रेल पटरियों की आपूर्ति शुरू कर दी है जिससे ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी। इन पटरियों का उत्पादन सेल के भिलाई इस्पात संयंत्र में किया जा रहा है जिसकी पहली खेप को सेल के निदेशक (परियोजना एवं व्यापार योजना) अनिर्बान दासगुप्ता ने मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सेल के अध्यक्ष अनिल कुमार चैधरी ने कहा कि सेल का भिलाई संयंत्र रेलवे के कड़े तकनीकी मानकों और बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं में जरूरी बदलावों के जरिये लगातार नये मूल्यवर्द्धित उत्पाद के विकास के लिए जुटा रहा है। वैनेडियम माइक्रोअलॉयड स्टील की पटरियाँ ज्यादा दबाव सहन कर सकती हैं। इस ग्रेड का इस्पात न केवल अधिक शुद्ध होता है बल्कि बेहतर मकैनिकल गुण भी प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के सदस्य (अभियांत्रिकी) विश्वेश चैबे, इस्पात मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रसिका चैबे और संयुक्त सचिव पुनीत कंसल और रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी ऑनलाइन मौजूद थे। भारतीय रेलवे अधिक गति और एक्सल लोड की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए सेल ने आर260 ग्रेड इस्पात का विकास और उत्पादन शुरू किया है।

रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़े

नई दिल्ली। रसोई गैस सिलेंडर के दाम में आज से मामूली वृद्धि की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 01 जुलाई से 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर का बाजार मूल्य 594 रुपये हो गया है। इससे पहले जून में इसकी कीमत 593 रुपये थी। रसोई गैस के दाम लगातार दूसरे महीने बढ़ाये गये हैं। जून में दिल्ली में इसकी कीमत 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ाई गई थी। रसोई गैस के मूल्य की समीक्षा मासिक आधार पर की जाती है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी आज से रसोई गैस सिलेंडर महँगा हुआ है। कोलकाता में इसकी कीमत 4.50 रुपये बढ़कर 620.50 रुपये, मुंबई में 3.50 रुपये बढ़कर 594 रुपये और चेन्नई में चार रुपये बढ़कर 610.50 रुपये हो गई है। होटल, रेस्त्रां आदि में इस्तेमाल होने वाला 19 किलोग्राम का वाणिज्यिक सिलेंडर दिल्ली में चार रुपये सस्ता हुआ है जबकि कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में इसके दाम बढ़े हैं। दिल्ली में इसकी कीमत 1,139.50 रुपये से घटकर 1,135.50 रुपये रह गई है। मुंबई में तीन रुपये बढ़कर 1,090.50 रुपये और चेन्नई में एक रुपये बढ़कर 1,255 रुपये पर पहुँच गया है।

गृहमंत्रालय ने 9 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया

पाकिस्तान, यूके, यूएस, कनाडा बेस्ड हैं आतंकी संगठन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 1 जुलाई। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत आज 9 व्यक्तियों को गैरकानूनी गतिविधियां (निषेध) अधिनियम 1967 (2019 में संशोधित के अनुसार) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। इसके साथ ही उनका नाम उक्त अधिनियम की चौथी अनुसूची में शामिल करने का फैसला किया है। यह फैसला केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हुई बैठक में लिया गया है।

इसमें पाकिस्तान में डेरा डाले आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के प्रमुख वाधवा सिंह बब्बर, पाकिस्तान में डेरा डाले आतंकवादी संगठन इंटरनेशनल सिख यूथ फ़ैडरेशन का प्रमुख लखबीर सिंह, पाकिस्तान में डेरा डाले आतंकवादी संगठन खालिस्तान

ज़िंदाबाद फोर्स का प्रमुख रणजीत सिंह, पाकिस्तान में डेरा डाले आतंकवादी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स का प्रमुख परमजीत सिंह, जर्मनी में रहने वाला आतंकवादी संगठन खालिस्तान ज़िंदाबाद फोर्स का प्रमुख भूपिंदर सिंह भिंडा, जर्मनी में रहने वाला आतंकवादी संगठन खालिस्तान ज़िंदाबाद फोर्स का प्रमुख सदस्य गुरमीत सिंह बग्गा, अमरीका में रहने वाला गैरकानूनी संस्था सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख सदस्य गुरपतवंत सिंह पन्नु शामिल है। इसके अलावा कनाडा में रहने वाला खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर, यूनाइटेड किंगडम में रहने वाला आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल का प्रमुख परमजीत सिंह शामिल है।

गृहमंत्रालय के मुताबिक ये सभी व्यक्ति सीमा पार और विदेशी धरती से आतंकवाद की विभिन्न घटनाओं में शामिल हैं। ये अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और खालिस्तान मूवमेंट में शामिल हो तथा उसके समर्थन के जरिये पंजाब में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर अपने घृणित कृत्यों से लगातार देश को अस्थिर करने का प्रयास कर चुके हैं।

बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले साल संसद में गैरकानूनी गतिविधियां (निषेध) अधिनियम 1967 में संशोधन पर बहस के दौरान आतंकवाद की बुराई से मजबूती से लडने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को जोरदार ढंग से व्यक्त करते हुए इससे निपटने के राष्ट्र के संकल्प को दोहराया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने सितंबर 2019 में चार व्यक्तियों- मौलाना मसूद अजहर, हाफिज सईद, जाकिउर रहमान लखवी और दाऊद इब्राहिम को आतंकवादी नामजद किया था।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसी व्यक्ति को आतंकवादी नामजद करने के प्रावधान को शामिल करने के लिए अगस्त 2019 में गैरकानूनी गतिविधियां (निषेध) अधिनियम 1967 में संशोधन किया था। इस संशोधन से पहले केवल संगठनों को ही आतंकवादी संगठन नामजद किया जा सकता था।

अनलॉक-2 की गाइडलाइन के हिसाब से यूपी में होंगे सभी कार्यक्रम

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा है कि अनलॉक 2 की गाइडलाइन का पालन करते हुए संचारी रोग नियंत्रण अभियान, वृक्षारोपण अभियान के साथ कोरोना संक्रमण को निपटने के सभी काम संचालित करें।

एक जुलाई से सभी 75 जिलों में संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हो रहा है तो पांच जुलाई को 25 करोड़ वृक्षारोपण अभियान होगा। उन्होंने कहा कि वह खुद पांच जुलाई को मेरठ जिले के हस्तिनापुर रेंज में पौधरोपण कर 25 करोड़ वृक्ष लगाने के कार्यक्रम की शुरू करेंगे। इसी तरह संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बुधवार एक जुलाई को अपने सरकारी आवास से शुरूआत करेंगे।

मुख्यमंत्री मंगलवार को सभी कमिश्नर, डीएम व पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनलॉक2 की गाइडलाइन के तहत मेरठ मंडल को छोड़कर बाकी अन्य जिलों में रात 10 बजे से सबेरे पांच बजे तक रात्रि कफर्यू रहेगा।

मेरठ मंडल के छह जिलों में रात आठ बजे से सबेरे छह बजे तक कफर्यू रहेगा। कोविड19 के प्रोटाकॉल का सख्ती से पालन कराया जाएगा। सभी को बाहर निकलने पर मास्क व फेस कवर अनिवार्य रूप से पहनना होगा। उन्होंने कोरोना की टेस्टिंग बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि लैब और ट्रूनेट मशीनों का पूरी क्षमता के साथ उपयोग हो।

एंटीजेन टेस्ट के उपयोग का भी दायरा बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सीएचसी व पीएचसी को मजबूत कर एईजेई से होने वाली मौतों को पिछले सालों में कम किया जा चुका है। इस बार मृत्युदर को और न्यूनतम करना चाहिए।

यूपी, बिहार में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में आज बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। इससे पहले यहां आंशिक रूप से बादल छाए रहने और अलगअलग क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की वजह से पारा कुछ नीचे हुआ है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में अगले चार दिनों के दौरान भारी वर्षा जारी रहने का अनुमान है।

वहीं दूसरी ओर असम में बाढ़ ने 15 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है और 25 लोगों की जान ले ली। खबरों के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान बिहार, झारखंड, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश के पूर्वी और मध्य भागों, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों, उत्तरी और मध्य राजस्थान में कुछ स्थानों पर मानसून की हलचल बढ़ सकती है। तमिलनाडु और लक्षद्वीप में कमजोर मानसून के बीच हल्की बारिश के साथ एकदो स्थानों पर मध्यम बारिश होने के आसार नजर आ रहे हैं। पश्चिमी राजस्थान में मानसून कमजोर नजर आ रहा है। झारखंड की राजधानी रांची सहित आसपास के क्षेत्रों में चार जुलाई तक बादल छाए रहेंगे। बिहार में

बुधवार व गुरुवार को राजधानी के ऊपर बादल छाने के साथसाथ हल्की बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में अगले 4 दिनों के दौरान भारी वर्षा जारी रहने का अनुमान है। असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ, लेकिन स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। राष्ट्रीय राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और अलगअलग क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की वजह से पारा कुछ नीचे रहा। असम में बाढ़ से प्रभावित कुल 25 जिलों में से दो जिले उदलगुरी और कामरूप (शहर) में बाढ़ का पानी कम हुआ। बाढ़ ने 15 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है और 25 लोगों की जान ले ली। धेमाजी, लखीमपुर, विश्वनाथ, चिरांग, नलबाड़ी, बारपेटा, बोंगईगांव, कोकराझार, धुबरी, दक्षिण सालमारा, गोलपारा, कामरूप, मोरीगांव, होजई, नौगांव, गोलाघाट, जोरघाट, माजुली, शिवसागर, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने की अलगअलग घटनाओं में दो बच्चों समेत 7 लोगों की मौत हो गई।

महाराष्ट्र में 4,938 पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित, 60 की मौत

मुंबई महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि अब तक राज्य के 4,938 पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और उनमें से 60 कर्मियों की मौत हो गयी है। उन्होंने कहा कि 60 मृतकों में से 38 मुंबई पुलिस से थे। गृह मंत्री ने एक बयान में कहा कि 4,938 संक्रमित पुलिसकर्मियों में से 3,813 बीमारी से उबर चुके हैं जबकि 1,000 से अधिक कर्मियों का अभी इलाज चल रहा है। बयान के अनुसार, लॉकडाउन लागू होने के बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर 1,39,702 हो गयी है। उल्लंघन के आरोप में 29,298 लोगों को गिरफ्तार किया गया वहीं 85,780 वाहनों को जब्त किया गया। देशमुख ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले की 290 घटनाएं हुयीं जबकि 860 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गृह मंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग ने लॉकडाउन अवधि के दौरान आवश्यक सेवाओं के लिए 5,36,324 पास जारी किए हैं ।

हरियाणा में 27 जुलाई से खुलेंगे स्कूल, 31 जुलाई तक कॉलेज बंद

(विशेष संवाददाता)

चंडीगढ़ । हरियाणा शिक्षा विभाग ने स्कूलों की गर्मियों की छुट्टियां 1 जुलाई से 26 जुलाई तक घोषित कर दी है। सरकार 27 जुलाई से स्कूल खोलने की योजना बना रही है। कोराना महामारी के कारण अभी स्कूल पूरी तरह से बंद है। शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा है। बता दें कि 27 जुलाई से स्कूल केवल टीचर और गैरशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए फिर से खुलेंगे और छात्र स्कूल नहीं जाएंगे। वहीं, हरियाणा सरकार ने हाल ही में घोषणा की थी कि राज्य में अगले महीने उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा की परीक्षाएं नहीं होंगी और छात्रों को आंतरिक मूल्यांकन और पूर्व की परीक्षाओं के आधार पर अगले सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने ही दी थी।

बता दें कि हरियाणा के सभी स्कूल व कॉलेज जनता कर्फ्यू के बाद से बंद है। कोरोना की वजह से केंद्र सरकार के आदेश के बाद सभी स्कूल, कॉलेज व यूनिवर्सिटी को बंद

रखा गया है। प्राइवेट स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई करवाई गई। हरियाणा सरकार ने एजुकेशन चैनल पर भी स्कूलों से जुड़े पाठ्यक्रम का प्रसारण किया है। इसके साथसाथ एजुकेशन एप्लीकेशन भी बनाया गया है, जिसमें विद्यार्थियों के पाठ्क्रम से जुड़ा कंटेंट डाला गया है। इसी तरह से सभी कॉलेजों और यूनिवर्सिटी को उप निदेशक हायर एजूकेशन की ओर से एक सूचना भेजकर 31 जुलाई तक सभी उच्च शिक्षण संस्थान बंद रखने का फैसला लिया गया है। पत्र में एमएचआरडी का जिक्र करते हुए कहा गया है कि सभी शिक्षण संस्थान व यूनिवर्सिटी 31 जुलाई तक पूर्णतया बंद रखे जाएंगे। शिक्षा विभाग ने भले ही स्कूल खोलने का फैसला ले लिया हो, लेकिन प्रदेश में बढ़ रहे कोरोना के मामलों से अभी ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा। बेशक हरियाणा में कोरोना संक्रमण से ग्रस्त मरीजों के ठीक होने की दर लगातार बढ़ रही है, लेकिन संक्रमित मरीजों की मौत का सिलसिला अभी थम नहीं रहा है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 338 संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं। 470 मरीज ठीक होकर अपने घर भी गए. रिकवरी रेट बढ़कर 68.55 प्रतिशत हो गया है।

कोरोना से लड़ने के लिए सरकार इस समस्या का सामना करें: राहुल गांधी

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत एवं विदेश में कोरोनावायरस के खिलाफ सक्रिय 4 भारतीय नर्सों से बातचीत के दौरान बुधवार को कहा कि कोविड19 से लड़ाई के लिए जरूरी है कि सरकारें इस समस्या को स्वीकारें और इसका सामना करें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारें ये समझाने का प्रयास कर रही हैं कि समस्या उतनी भयावह नहीं है जितनी दिख रही है, जबकि ऐसा नहीं है। गांधी ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों के अनुभव को लोगों के समक्ष साझा करने के मकसद से न्यूजीलैंड में काम कर रही केरल की अनु रगनत, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सेवारत राजस्थान के नरेंद्र सिंह, ब्रिटेन में कार्यरत केरल की शेरिमोल पुरावदी और दिल्ली स्थित एम्स में काम कर रहे केरल के विपिन कृष्णन से बातचीत की। उन्होंने कहा, मैं इस तथ्य से हैरान हूं कि दिल्ली के कई अस्पतालों में कोरोना जांच की अनुमति नहीं दी जा रही है। निजी अस्पताल के एक डॉक्टर मुझे बता रहे थे कि अगर वे कोरोना संक्रमितों की जांच नहीं कर सकते, तो उनके लिए काम करना असंभव है। कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे लगता है कि सरकारें इस धारणा को लेकर काम करने की कोशिश कर रही हैं या यह समझाने की कोशिश कर रही हैं कि समस्या उतनी भी भयावह नहीं है जितनी वह दिख रही है। हमें समस्या का सामना करना पड़ता है, जिसके हल के लिए उस समस्या को स्वीकारना जरूरी है, सही ढंग से परिभाषित करना और फिर उस समस्या से लड़ना चाहिए। मुझे नहीं पता कि आप उस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। संवाद के दौरान एम्स के नर्स विपिन कृष्णन ने खुद और अपनी पत्नी के कोरोना से संक्रमित होने का अनुभव साझा किया और उस स्वास्थ्यकर्मी को दिल्ली सरकार की ओर से घोषित आर्थिक मदद नहीं मिलने का उल्लेख किया जिनकी मौत पिछले दिनों कोरोना के कारण हुई।

'आयुर्वेद पर काम करना गुनाह हो गया आतंकवादियों जैसा बर्ताव': बाबा रामदेव

(विशेष संवाददाता)

देहरादून। बाबा रामदेव की कोरोना के इलाज को लेकर बनाई गई कोरोनिल दवा को लेकर विवाद हो गया था। विवादों के बाद बाबा रामदेव बुधवार को सामने आए और उन्होंने इस मामले में सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनके पास आयुष मंत्रालय का जवाब आया है।

उन्होंने उनकी पहल की प्रशंसा की है। उन्होंने सारे प्रोटोकॉल पूरे करते हुए ट्रायल किया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ आपराधिक केस दर्ज कराए गईं, ऐसा लगा कि आयुर्वेद पर काम करना गुनाह हो गया है। उन्हें आंतकवादी बताओ या देशद्रोही लेकिन उन्होंने आयुर्वेद पर काम किया है, करते रहेंगे। बाबा रामदेव ने कहा कि पंतजलि ने प्रोटोकॉल नहीं बनाए। जो सरकारी प्रोटोकॉल बनाए गए हैं, उसी के आधार पर उन्होंने ट्रायल किया है। प्रोटोकॉल में सारे नियमों का पालन किया गया। रजिस्ट्रेशन के लिए, रजिस्ट्रेशन के नियमों का पालन किया गया। दवा को लेकर बेकार में विवाद हो रहा है। लोगों को रोगमुक्त बनाना, मोटापे से मुक्त कराना,

हेपेटाइटिस से मुक्त कराना गुनाह है तो कर रहे हैं। हमने कोरोना की दवा पर अच्छी पहल की है, लेकिन लोग हमें गाली दे रहे हैं। आप हमें खूब गाली दो, लेकिन कम से कम उन लोगों के साथ हमदर्दी रखो, जो कोरोना वायरस से पीड़ित हैं और जिन लाखोंकरोड़ों बीमार लोगों का पतंजलि ने इलाज किया है। बाबा रामदेव ने कहा कि अभी पतंजलि ने कोरोना पर ही उन्होंने रिसर्च किया है, अभी कोई और बड़ी बीमारियों पर रिसर्च कर रहे हैं। उनमें हाइपरटेंशन, स्वाइन फ्लू, चिकिनगुनिया, दिल की बीमारियों समेत 10 से ज्यादा बीमारियों पर रिसर्च कर रहे हैं। काम लगभग पूरा कर चुके हैं। उनके यहां 500 साइंटिस्ट रात दिन काम कर रहे हैं। हम लोग तीन लेवल पार कर चुके हैं। ड्रग माफिया व एमएनसी माफिया सब बेनकाब होंगे और आयुर्वेद प्रतिष्ठापित होगा। बाबा ने कहा कि क्लीनिकल ट्रायल का डाटा सामने रखा तो हंगामा हो गया। भूकंप आ गया। पूरी दुनिया हिल गई। टाइ पहनने वाले रिसर्च करते थे। उन्हें लग रहा है कि लंगोटी पहनने वाले कब से रिसर्च करने लगे। उन लोगों के बीच हड़कंप मच गया है।

मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन एक नया जुमला: माकपा

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को एक और जुमला बताया है और कहा है कि उन्होंने इसमें कोई नई घोषणा नहीं की है बल्कि पहले की गई उनकी घोषणाओं का ही यह दूसरा हिस्सा है। येचुरी ने मोदी की मंगलवार की घोषणाओं पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 2019 के चुनाव में ही मोदी ने यह घोषणा की थी कि 14 करोड़ किसानों को तीन किस्तों में दो हजार रुपये दिए जाएंगे। कल की घोषणा उसी पुरानी घोषणा का दूसरा हिस्सा है। मोदी ने कल घोषणा की कि नौ करोड़ किसानों को 18 हजार करोड़ रुपये दिए गए लेकिन बाकी बचे पाचं करोड़ और किसानों का क्या होगा। इस तरह मोदी का यह भाषण और एक जुमला साबित हुआ।उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा कानून के तहत हर महीने 43 लाख टन अनाज का आवंटन किया जाता है और अगर पांच किलो ग्राम चावल या गेंहू अतिरिक्त दिया जाएगा तो इसके लिए आवंटन दोगुना किया जाना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया गया और अप्रैल तथा मई में तो अनाजों का आवंटन क्रमशः महज 26 लाख टन और 29 लाख टन ही हुआ। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान 14 करोड़ लोगों ने अपनी नौकरियां गंवाई हैं तथा आठ करोड़ लोग पिछले दो माह से सड़कों पर है लेकिन मोदी ने अपनी घोषणा में इनके बारे में एक शब्द नहीं कहा है।

माकपा महासचिव ने यह भी कहा कि महज पांच किलोग्राम गेहूं या चावल देने से गरीबों की जरूरत पूरी नहीं हो जाती इसलिए हमने छह माह तक उन्हें 10 किलोग्राम अनाज मुफ्त देने की मांग की थी और छह माह तक हर महीने 7500 रुपये सीधे उनके बैंक खाते में भेजने की मांग की थी लेकिन उन्होंने जन धन योजना के तहत केवल 500 रुपये देने का ऐलान किया जो काफी नगण्य है।

दिल्ली समेत कई हिस्सों में उमस से परेशान लोग

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में जून महीने में अच्छी बारिश हुई और जुलाई में भी बारिश होने की संभावना जताई गई है लेकिन कई इलाकों में लोग उमस से परेशान हैं।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि जून महीने में अत्यधिक बारिश हुई और जुलाई में भी अच्छी बरसात का अनुमान है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जून में दीर्घकालिक आवधिक औसत (एलपीए) की 118 प्रतिशत वर्षा हुई जिसे अत्यधिक बारिश माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि पिछले 12 साल में, इस साल जून सबसे अधिक भीगा रहा। मॉनसून के सीजन में 19612010 के बीच देश में एलपीए बारिश 88 सेंटीमीटर रही।

90-96 फीसदी के बीच बारिश 'सामान्य से कम' मानी जाती है और 96104 फीसदी बारिश 'सामान्य' मानी जाती है। एलपीए की 104 110 फीसदी वर्षा 'सामान्य से अधिक' और 110 फीसदी से अधिक वर्षा 'अत्यधिक' मानी जाती है। मध्य भारत में जून में हुई वर्षा एलपीए की 131 फीसदी रही। इस

क्षेत्र में गोवा, कोंकण, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ आते हैं। पूर्वी और पूर्वोत्तर उप संभाग में हुई वर्षा एलपीए की 116 फीसदी रही। असम में बाढ़ आई और बिहार में भी अत्यधिक बरसात हुई। हालांकि मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि इन इलाकों में अगले 510 दिन में बरसात में कमी आएगी। दिल्लीएनसीआर वालों को फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के चांस नहीं हैं।

मौसम विभाग की मानें तो अगले 5 दिन गर्मी बढ़ेगी। तापमान इन दिनों 40 डिग्री के आसपास ही रहेगा। इस दौरान हल्कीफुल्की बारिश ही होगी। उत्तरपश्चिम उप संभाग में वर्षा एलपीए की 104 फीसदी रही और दक्षिण में यह एलपीए की 108 फीसदी रही। मौसम विभाग ने जुलाई माह में एलपीए की 103 फीसदी वर्षा का अनुमान जताया है। महापात्र ने कहा, 'जुलाई में अच्छी बारिश होने की उम्मीद है।' उन्होंने बताया कि गुजरात के तट के निकट तथा पूर्वी मध्य भारत के ऊपर दो चक्रवात बन रहे हैं।

चीन ने माना, भारत में Tik Tok बैन से महाघाटा

(विशेष संवाददाता)

पेइचिंग/नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर तनाव होने के बाद भारत ने चीन के 59 ऐप्स को बैन कर दिया। इस कदम से बौखलाया चीन भारत को परिणामों की धमकी देता रहा। उसने यहां तक कह दिया कि इससे चीन की अर्थव्यवस्था पर असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, अब उसने मान लिया है कि भारत में बैन होने से **Tik Tok** ऐप की पैरंट कंपनी को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

चीन के प्रॉपगैंडा अखबार ग्लोबल टाइम्स ने ट्वीट किया है कि पिछले महीने लद्दाख में सीमा पर झड़प के बाद भारत सरकार के चीन की 59 ऐप बैन करने से **Tik Tok** की पैरंट कंपनी **ByteDance** को 6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। सिर्फ एक ऐप के बैन होने से अगर इतने नुकसान का अंदाजा लगाया जा रहा है तो समझा जा सकता है कि 59 ऐप के बैन होने से चीन को कितना बड़ा आर्थिक झटका लगेगा।

ग्लोबल टाइम्स भारत के फैसले को लेकर हमलावर रहा है।

उसने कहा है कि भारत में चीनी प्रॉडक्ट बैन करने से भारत की अर्थव्यवस्था पर ही असर पड़ेगा,

चीन पर नहीं।

हालांकि, उसने माना है कि चीनी कंपनियों और निवेशकों के लिए भारत एक बड़ा मार्केट रहा है जिस पर पिछले तीन साल में उनकी नजर रही है। ऐसे में भारत के प्रतिकूल कदम का असर चीन की कंपनियों पर भी पड़ना तय है।

डिजिटल इकोनॉमी पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि इन चीनी कंपनियों के लिए चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि अब भारत के नक्शे कदम पर दुनिया के अन्य देश भी चल सकते हैं। अमेरिकी कंपनियां गूगल और फेसबुक से इतर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के देश कुछ ऐसे बाजार थे जहां पर चीनी कंपनियां अपने देश के अलावा सफलता के लिए दांव लगा रही थीं। चीन विकसित होने के बाद इन कंपनियों ने दूसरे देशों में निवेश किया या सेवा शुरू की।

एक अनुमान के मुताबिक भारत में वर्ष 2019 में टॉप 200 ऐप में 38 प्रतिशत चीन के हैं। चीनी ऐप भारत में विकसित ऐप के प्रतिशत 41 से मात्र कुछ ही पीछे थे। वर्ष 2018 में चीनी ऐप भारत से आगे थे। भारत में वर्ष 2019 में भारतीय लोगों ने 5.5 अरब घंटे टिक टॉक पर बिताया था।

यह वर्ष 2018 की तुलना में करीब 5 गुना ज्यादा है। यह टिक टॉक की मूल कंपनी **ByteDance** के लिए बेहद अहम है जो जल्द ही आईपीओ लाने जा रही है। बायटेडेंस के पास ही हेलो ऐप भी है जो दुनिया का सबसे मूल्यवान स्टार्टअप (100 अरब डॉलर) है।

इस टेंडर से चीन की कंपनी हिकविजन को फायदा पहुंच सकता था। हिकविजन दुनिया की सबसे बड़ी वीडियो निगरानी कंपनी है। कंपनी का फिलहाल भारत के सीसीटीवी बाजार पर दबदबा है। उनका कहना था कि कैमरे के लिये निविदा दस्तावेज में प्रौद्योगिकी...डीप इन माइंड' का जिक्र किया गया था। यह प्रौद्योगिकी हिकविजन की विशेषता है और उस पर उसका मालिकाना हक है।